mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-196 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
17 जुलाई 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पुरी रथयात्रा में बारिश भी नहीं रोक सकी आस्था, लाखों श्रद्धालुओं ने किए भगवान जगन्नाथ के दर्शन

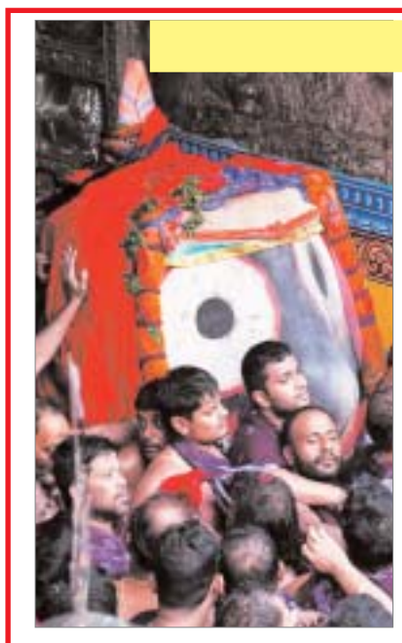

रथयात्रा में भगदड़, 1 की मौत, तेज बारिश के बीच यात्रा रूट पर 10 लाख से ज्यादा लोग रहे मौजूद

पुरी,एजेंसी। ओडिशा के पुरी में रथयात्रा शुरू हो गई है। शाम 5.05 बजे सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज आगे बढ़ा। इसके बाद सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथ खींचे गए । पुरी में इस समय तेज बारिश हो रही है। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद रहे। यात्रा मुख्य मंदिर से 3किमी. दूर बने गुंडीचा मंदिर तक जाती है। इससे पहले पहांडी रस्म हुई। तेज बारिश के कारण भगवान जगन्नाथ को बिना मुकुट पहनाए ही मंदिर से बाहर लाया गया। इस बार उन्हें झुलाते हुए नहीं लाए, बल्कि धीरे-धीरे लाया गया। पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव सोने की झाड़ू से तीनों रथों के

आगे झाड़ू लगाई। इसके बाद रथयात्रा की औपचारिक शुरुआत हुई।

इधर, अहमदाबाद में भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जा गई है। इस बार हाथियों को पैर में जंजीरों से बांधकर लाया गया और खड़िया पोल पर आते ही लोगों को सड़क से हटा दिया गया। पिछले साल रथ यात्रा के दौरान 3 हाथी बेकाबू हो गए थे। जमालपुर जगन्नाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई। इसमें गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। सीएम भूपेंद्र पटेल और डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने सोने की झाड़ू से रास्ता साफ करके यात्रा को रवाना किया।

सबसे पहले बलभद्र, सबसे आखिर में जगन्नाथ का रथ

रथयात्रा में तीनों रथ एक क्रम से निकलते हैं। सबसे पहले भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई बलभद्र का तालध्वज रथ चलता है। इसके बाद बहन सुभद्रा का दर्पदलन रथ निकलता है। सबसे आखिर में भगवान जगन्नाथ अपने नंदीघोष रथ पर सवार होकर यात्रा शुरू करते

रथयात्रा के बीच 19 जुलाई को खुलेगा रत्न भंडार

रथयात्रा के बीच जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 19 जुलाई को एक दिन के लिए खोला जाएगा। उस समय भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा रथयात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर में होंगे।इस दौरान स्नान यात्रा के समय भगवान की मूर्तियों से उतारे गए सोने और अन्य कीमती आभूषणों की गिनती और डिजिटल डॉक्युमेंटेशन किया जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (SJTA) के अनुसार, यह विशेष इन्वेंट्री आधुनिक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने छेरा पहरा रस्म निभाई :

बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने छेरा पहंरा रस्म निभाई, 55वीं इस्कॉन रथ यात्रा की शुरुआत के लिए रथ की रस्सी खींची। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कोलकाता में रथयात्रा की शुरुआत की। उन्होंने पवित्र छेरा पहरा रस्म निभाई और भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्म वाली रस्सी खींची।

: ब्रीफ बॉक्स :

अमृतसर में बॉयफ्रेंड को जिंदा जलाया

ब्रेकअप करने पर मिलने आया था

अमृतसर,एजेंसी। अमृतसर में गर्लफ्रेंड ने चचेरे भाई से मिलकर बॉयफ्रेंड को जिंदा जला दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। आग लगी तो गुस्साए बॉयफ्रेंड ने दोनों को भी अपनी तरफ खींच लिया। जिससे गर्लफ्रेंड और उसका भाई भी झुलस गया।दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों को पुलिस ने कस्टडी में लेते हुए बाहर मुलाजिम तैनात कर दिए हैं। पुलिस को पता चला कि युवती के ब्रेकअप करने के बाद युवक उसे मनाने के लिए वहां आया था। मजीठा थाने के SHO करमपाल सिंह ने पुष्टि की कि अस्पताल में भर्ती युवक और युवती ने अपना जुर्म कबूल किया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जल्द ही पुलिस इसके बारे में खुलासा करेगी।पुलिस के मुताबिक गांव बल खुर्द का संदीप सिंह शादीशुदा था। इसी दौरान उसके मजीठा में रहने वाली युवती के साथ प्रेम संबंध बन गए। अफेयर के बाद युवती को पता चला कि वह शादीशुदा है।

राजस्थान में पहली बार जेल में 2 हत्यारों की शादी

22 जुलाई को फेरे, युवक ने पड़ोसी और युवती ने पति का मर्डर किया था

जोधपुर,एजेंसी। जोधपुर के मंडोर ओपन जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे युवक-युवती 22 जुलाई को फेरे लेंगे। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने इसकी अनुमति दे दी है। राजस्थान के न्यायिक इतिहास में यह पहला मौका होगा जब किसी ओपन जेल (खुला बंदी शिविर) परिसर के भीतर दो दोषियों की शादी होगी।युवक नागौर का, जबकि युवती मुंबई की रहने वाली है। जेल में ही दोनों के बीच नदीकियां बढ़ीं और शादी का फैसला किया। यह ऐतिहासिक आदेश न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी एवं न्यायमूर्ति प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने जारी किया।

सहेली के पिता कन्यादान करेंगे

मंडोर ओपन जेल में रहकर सजा काट रहे मूलाराम भाटी (33) और सीमा (31) आगामी 22 जुलाई को शादी करेंगे। सीमा की सहेली के पिता कन्यादान करेंगे। शादी के निमंत्रण पत्र (कार्ड) में पिता के स्थान पर उनका ही नाम लिखा गया है।

वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट बोला: हर जान कीमती

केंद्र-दिल्ली सरकार को निर्देश- रोजाना मेडिकल जांच हो; वांगचुक 19 दिन से भूख हड़ताल पर

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि हर नागरिक की जान कीमती है। उसकी रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है।कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को उनकी रोजाना मेडिकल जांच कराने और जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 19वां दिन है। याचिका में जबरन खाना देने के निर्देश देने की मांग भी की गई थी।

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकारी डॉक्टर वांगचुक के स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर उचित इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 19 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उनका वजन 8.9कि.ग्रा. तक गिर गया है।

कर्नाटक में डॉक्टर की घर में हत्या, बेटा घायल मिला

पत्नी भी डॉक्टर; परिवार से कहा था- पति सो रहे, फिर बताया- बाहर गए हैं

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक के धारवाड़ में बुधवार को 45 साल के डॉक्टर (एनेस्थीसिया विशेषज्ञ) किरण होन्नन्नावर की उनके फ्लैट में हत्या कर दी गई। उनका 8 साल का बेटा चाकू के घावों के साथ घायल मिला। बच्चे का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने डॉक्टर की पत्नी प्रियंका को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। प्रियंका आंखों की डॉक्टर हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना एक हाई-सिक्योरिटी अपार्टमेंट में हुई, जिसमें डॉक्टर किरण अपनी पत्नी और बेटे के साथ रहते थे।शुरुआती जांच में किसी बाहरी व्यक्ति के फ्लैट में घुसने के सबूत नहीं मिले हैं। घटना के समय घर में सिर्फ पति, पत्नी और उनका बेटा मौजूद थे। मामले का खुलासा तब हुआ, जब डॉ. किरण के परिजन पूरे दिन उनसे संपर्क करने की कोशिश करते रहे। फिर भी बात नहीं हो पाई।

परिजन फोन करते रहे, पत्नी देती रहीं अलग-अलग जवाब

पुलिस के मुताबिक, पत्नी प्रियंका ने ससुरालवालों से पहले कहा कि पति आराम कर रहे हैं, बाद में बताया कि वह बाहर गए हैं।

यूपी-बिहार के 18 जिलों में भारी बारिश

असम में 99 गांव डूबे, अरुणाचल में 1 लाख लोग बाढ़ में फंसे; म.प्र. के 35 जिलों में सूखा

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर, एजेंसी। यूपी के 10 और बिहार के 8 जिलों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने हरदोई, लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर और उन्नाव समेत यूपी के 36 जिलों में बारिश का अलर्ट भी जारी किया है।अरुणाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटों में बाढ़, लैंडस्लाइड और बारिश से 1.02 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। अब तक 7 लोगों की मौत हुई है

और 29 घायल हुए हैं। वहीं, असम के 6 जिलों के 99 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 37,032 लोग प्रभावित हैं।

नेपाल में बारिश से भारत में बाढ़ का खतरा

नेपाल के सूनसरी के पुलिस उप अधीक्षक चंद्र बहादुर खड़का के मुताबिक, बुधवार रात कोशी बैराज पर पानी का बहाव 1,63,230 क्यूसेक पहुंच गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आगर पूर्वी नेपाल में बारिश जारी रही, तो पानी का बहाव और अधिक बढ़ सकता है।

बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बैराज के 56 गेटों में से 21 गेट खोल दिए गए हैं। कोशी बैराज नेपाल और भारत के पड़ोसी क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण बाढ़-नियंत्रण संरचना है।

कोशी बैराज कंट्रोल रूम ने बताया कि जब नदी का बहाव 1,50,000 क्यूसेक से अधिक हो जाता है, तो सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए जाते हैं।

अमेरिका ने ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की

जवाब में तेहरान का बहरीन-कुवैत में मिसाइल हमला, जॉर्डन ने 8 मिसाइलें गिराईं

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार तड़के ईरान में सैन्य ठिकानों पर एक बार फिर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, हमलों में मिसाइल लॉन्च साइट, रक्षा ठिकाने और सिस्तान-बलूचिस्तान में 388वीं ब्रिगेड की बैरक को निशाना बनाया गया।जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। बहरीन और कुवैत में मिसाइल अलर्ट जारी किया

गया। दूसरी तरफ जॉर्डन ने 8 ईरानी मिसाइलें मार गिराने की जानकारी दी।इस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका पीछे नहीं हटता, तो ईरान बड़े सैन्य टकराव के लिए तैयार है। वहीं, रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो मिडिल-ईस्ट से तेल और गैस का निर्यात भी रोका जा सकता है।

सीबीआई का दावा: लातूर कोचिंग संचालक ने नीट का पेपर खरीदा

उसके मोबाइल में हाथ से लिखे केमिस्ट्री के 132 प्रश्न मिले, 111 असली पेपर से मैच

लातूर,एजेंसी। सीबीआई ने नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में बुधवार को स्पेशल कोर्ट में बड़ा दावा किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, महाराष्ट्र के लातूर की कोचिंग सेंटर संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर ने NTA के पेपर सेटर से केमिस्ट्री के प्रश्न हासिल करने के लिए 5 लाख दिए थे।

आरोपी मोटेगांवकर के मोबाइल से मिले हस्तलिखित नोट्स में 132 प्रश्न मिले, जिनमें से 111 प्रश्न NTA के मास्टर प्रश्नपत्र से मेल खाते हैं। मोटेगांवकर का बेटा कुलकर्णी की कोचिंग क्लास भी जाता था।

NEET-UG परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। ह्ञ्ज के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और री-एग्जाम का फैसला लिया गया।

सीबीआई ने मोटेगांवकर का फोन बरामद किया

सीबीआई ने मोटेगांवकर का फोन बरामद किया है, जिसमें रसायन केमिस्ट्री के 132 हाथ से लिखे प्रश्नों वाली 36 तस्वीरें (पांच डुप्लिकेट तस्वीरें) मिली हैं।सीबीआई ने अपने जवाब में कहा कि इनमें से 111 प्रश्न नीट (यूजी) 2026 के लिए तैयार किए गए एनटीए के मास्टर प्रश्न सेट से मेल खाते हैं। एजेंसी ने कहा कि मोटेगांवकर ने कुलकर्णी की केमिस्ट्री ट्यूटोरियल क्लासेस में दिए गए पेपर से हैंड रिटन नोट्स तैयार किए थे।

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

दावा- हैकर्स ने कंट्रोल रूम का लेआउट, सप्लायर्स की लिस्ट डार्क वेब पर डाली

चेन्नई,एजेंसी। भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है।

इनमें पावर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की लिस्ट, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए। सर्वर मई में हैक हुआ था, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब

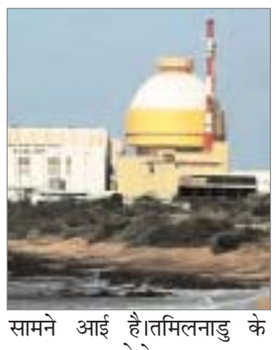

सामने आई है।तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा का सर्वर हैक किया गया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई है।

डेटा लीक कितना खतरनाक

परमाणु सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि डार्क वेब पर मौजूद ये दस्तावेज अगर असली हैं, तो इनके जरिए कोई हमलावर न्यूक्लियर पावर प्लांट के सपोर्ट सिस्टम, सप्लाई चेन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझ सकता है, जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ सकता है।

तेलंगाना हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

पहली प्रेग्नेंसी में जुड़वां बच्चे होने पर दूसरी बार भी मिलेगी मैटरनिटी लीव

हैदराबाद,एजेंसी। तेलंगाना हाई कोर्ट ने महिलाओं को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि किसी महिला सरकारी कर्मचारी को उसकी दूसरी प्रेग्नेंसी के लिए मातृत्व अवकाश देने से सिर्फ इसलिए इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि उसकी पहली प्रेग्नेंसी में जुड़वां बच्चे पैदा हुए थे।

दरअसल, यह मामला मंचेरियल जिले के सरकारी गर्ल्स कॉलेज से जुड़ा हुआ है। जहां कॉलेज में जूनियर इंग्लिश लेक्चरर जाडी स्वरूप रानी की लीव एप्लीकेशन को प्रशासन ने इस दलील के साथ खारिज कर दिया था कि उनके पहले से दो बच्चे हैं।

क्यों नहीं दिया गया मैटरनिटी लीव?

याचिकाकर्ता को 2023 में जुड़वां बच्चे हुए थे। जब उसने अप्रैल 2026 में अपने तीसरे बच्चे को जन्म दिया, तो कॉलेज प्रशासन ने उसकी मैटरनिटी लीव की अर्जी खारिज कर दी। प्रशासन का तर्क था कि चूंकि उसकी पहली प्रेग्नेंसी में जुड़वां बच्चे हुए थे, इसलिए उसके दो बच्चे हैं और इस वजह से वह राज्य के दो-बच्चों के नियम के तहत मैटरनिटी लीव के लिए अयोग्य हो गई थी।इस फैसले को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता के वकील गट्टू विनय कुमार ने कोर्ट तर्क दिया कि जुड़वां बच्चों का जन्म पूरी तरह से एक बायोलॉजिकल घटना थी और इस पर उनका कोई कंट्रोल नहीं था। ऐसे में बाद की प्रेग्नेंसी के लिए मैटरनिटी बेनिफिट्स से मना करना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

स्कूल प्रबंधन ने क्या दिया तर्क?

स्कूल का प्रबंधन करने वाली सोसाइटी ने 2010 और 2014 के सर्विस नियमों का हवाला देते हुए याचिका का विरोध किया। उनका तर्क था कि मैटरनिटी लीव सिर्फ उन शादीशुदा महिला कर्मचारियों के लिए थी जिनके दो से कम जीवित बच्चे हों।स्टैंडिंग काउंसिल भनोथु हुसैन ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता के पहली डिलीवरी से पहले से ही दो जीवित बच्चे थे, इसलिए वह दूसरी डिलीवरी के लिए मैटरनिटी लीव की हकदार नहीं थी। उन्होंने नकहा कि यदि पात्रता से अधिक लाभ दिए जाते हैं तो इससे सरकार पर बेवजह बोझ बढ़ेगा।

कोर्ट ने क्या कहा?

सरकार के सख्त रुख को खारिज करते हुए जस्टिस के. सरथ की पीठ ने कहा कि यह कानूनी विवाद नियम के होने या न होने पर नहीं था, बल्कि इस बात पर था कि उस नियम की व्याख्या कितनी मानवीय और समझदारी भरी होनी चाहिए।कोर्ट ने कहा कि अगर हम नियमों की केवल लकीर के फकीर बनकर (शाब्दिक) व्याख्या करेंगे, तो यह मैटरनिटी लीव के मूल और असल मकसद को ही खत्म कर देगा।कोर्ट ने तर्क निकाला कि याचिकाकर्ता अपनी दूसरी गर्भावस्था के लिए 14 अप्रैल से 180 दिनों की मातृत्व अवकाश की पूरी तरह से हकदार थी, और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उसे पूरी अवकाश अवधि के लिए पूरा वेतन और भत्ते का भुगतान करें।

आईआईटी दिल्ली-एनसीआर की उपलब्धि: दो मिनट में सुनने की जांच करने वाली स्वदेशी डिवाइस तैयार

बाजार में उतारने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कम सुनने की समस्या की शुरुआती पहचान अब पहले से कहीं अधिक आसान और सस्ती हो सकेगी। आइआइटी दिल्ली और एम्स दिल्ली ने मिलकर एक स्वदेशी पोर्टेबल हियरिंग स्क्रीनिंग डिवाइस विकसित की है। यह उपकरण महज दो मिनट में व्यक्ति की सुनने की क्षमता की शुरुआती जांच कर सकता है। खास बात यह है कि इसकी जांच के लिए साउंडप्रूफ कमरे की आवश्यकता नहीं होगी।

आम लोगों तक पहुंचाने की दिशा में आईआईटी दिल्ली ने कदम बढ़ा दिए

अब इस तकनीक को आम लोगों तक पहुंचाने की दिशा में आईआईटी दिल्ली ने कदम बढ़ा दिए हैं। संस्थान की फाउंडेशन फार इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) ने इस डिवाइस के लाइसेंसिंग और व्यावसायीकरण के लिए उद्योगों, स्टार्टअप और चिकित्सा उपकरण निर्माताओं से एक्सप्रेशन आफ इंटरेस्ट (ईओआई) आमंत्रित किए हैं। इस डिवाइस में उन्नत नाइज रिजेक्शन एल्गोरिद्म का उपयोग किया गया है, जिससे सामान्य शोर वाले वातावरण में भी सटीक जांच संभव है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है, क्योंकि पारंपरिक हियरिंग टेस्ट के लिए अक्सर साउंडप्रूफ कमरे की जरूरत पड़ती है।

● तकनीक हस्तांतरण शुल्क के साथ बिक्री पर तीन प्रतिशत रायल्टी देनी होगी

इसके लिए तकनीक हस्तांतरण शुल्क के साथ बिक्री पर तीन प्रतिशत रायल्टी देनी होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह पहल मेक इन इंडिया अभियान को मजबूती देने के साथ आयातित चिकित्सा उपकरणों पर निर्भरता कम करेगी और देश में सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

60 से अधिक मरीजों पर क्लीनिकल ट्रायल किया गया

शोधकर्ताओं के अनुसार, इस डिवाइस का 60 से अधिक मरीजों पर क्लीनिकल ट्रायल किया गया। परीक्षण के दौरान इसकी तुलना बाजार में उपलब्ध उपकरणों से की गई, जिसमें इस स्वदेशी तकनीक ने 97 प्रतिशत से अधिक संवेदनशीलता के साथ बेहतर प्रदर्शन किया। इससे उम्मीद है कि यह सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों, अस्पतालों और डायग्नोस्टिक केंद्रों में बड़े पैमाने पर उपयोगी साबित होगी। एफआइटीटी के अनुसार, चयनित उद्योग साझेदार डिवाइस के निर्माण, नियामकीय स्वीकृतियां, बाजार में उपलब्धता और बिक्री के बाद सेवाओं की जिम्मेदारी संभालेंगे। तकनीक हस्तांतरण पांच वर्ष के गैर-विशिष्ट लाइसेंस के आधार पर होगा, जिसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

राजस्थान में ठेले से गोलगप्पे खाने पर 115 लोग बीमार पड़े, 12 लोग अस्पताल में भर्ती; कई की हालात गंभीर

कोटा, एजजेंसी। राजस्थान के कोटा जिले में एक बड़ा फूड प्वाइजनिंग का मामला सामने आया है, जहां एक ठेले से गोलगप्पे (पानी-पुरी) खाने के बाद बच्चों समेत करीब 115 लोग बीमार पड़ गए हैं। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है और प्रभावितों के इलाज के लिए गांव में ही आपातकालीन स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। घटना कोटा जिले के सिमलिया क्षेत्र के पोलई खुर्द गांव में हुई। गांव में एक रेहड़ी पटरी वाले (स्ट्रीट वेंडर) से गोलगप्पे खाने के बाद लगभग 115 लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, ग्रामीणों ने मंगलवार रात को गांव में गोलगप्पे खाए थे। इसके कुछ ही देर बाद लोगों को उल्टी, दस्त और पेट में तेज दर्द की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते बीमारों की संख्या बढ़ने लगी, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। इनमें से 12 लोगों की हालत अधिक गंभीर होने के कारण उन्हें तुरंत सिमलिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सा विभाग ने मुस्तैदी दिखाई है। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजेश समर के निर्देश पर गांव में दो मेडिकल टीमें और एक 108 एम्बुलेंस तैनात की गई है। मामूली रूप से बीमार लोगों का इलाज गांव में ही लगाए गए विशेष स्वास्थ्य शिविर में किया जा रहा है। स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर सर्वे कर रहे हैं ताकि कोई भी मरीज इलाज से छूटे नहीं। बुधवार सुबह उपखंड अधिकारी दीपक महावर और स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों ने पोलई खुर्द गांव का दौरा कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

48वीं जगन्नाथ रथयात्रा को लेकर हौज खास में लागू रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन, पुलिस ने जारी की सलाह

नईदिल्ली। हौज खास में बृहस्पतिवार को आयोजित 48वीं जगन्नाथ रथयात्रा के लिए ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। इसके तहत दोपहर दो से शाम सात बजे अरबिंदो मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने रथयात्रा के मार्ग का इस्तेमाल करने से बचें और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें। रथयात्रा के रास्ते या आस-पास की सड़कों पर वाहन पार्क न करें। दिल्ली वासियों को सुगम यातायात के लिए मेट्रो का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है।

पुलिस ने लोगों को दी सलाह: वहीं रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, अस्पताल और दूसरी जरूरी जगहों पर जाने वाले लोगों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और अतिरिक्त समय लेकर निकलें।

हिमाचल में उमस भरी गर्मी ने छुड़ाए पसीने, 17 तारीख तक नहीं मिलेगी राहत, 18 जुलाई को होगी भारी बारिश

शिमला, एजेंसी। प्रदेश में अभी दो दिन लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 17 अप्रैल तक मानसून की गति कुछ धीमी रहने की संभावना है। 18 जुलाई से प्रदेश में वर्षा का क्रम फिर शुरू होगा। 18 और 19 जुलाई को कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, चंबा जिले के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। 20 व 21 जुलाई को चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, सिरमौर, शिमला जिले के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा का आरेंज अलर्ट है। मौसम विभाग ने लोगों से नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने तथा मौसम से जुड़ी चेतावनियों का पालन करने की अपील की है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक शोभित कटियार ने बताया कि 18 से 22 जुलाई के बीच प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में वर्षा होने की संभावना है। जुलाई में अभी तक प्रदेश में सामान्य से 21 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है। वर्षा में कमी आने का असर मैदानी इलाकों में दिखाई दिया, जहां उमस बढ़ गई है। बुधवार को प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। कई स्थानों पर हल्की वर्षा हुई। अधिकतम तापमान में 1.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को गर्मी और उमस से फिलहाल राहत नहीं, अगले दो दिनों के लिए येलो अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार अल सुबह दिल्ली के कुछ इलाकों में हल्की वर्षा हुई, लेकिन राहत कुछ ही देर रही एवं उमस भरा मौसम फिर लौट आया। इसके बाद मौसम विभाग ने गर्म और उमस भरे मौसम के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया। बृहस्पतिवार के लिए भी ऐसा ही अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.9 डिग्री अधिक 29.1 डिग्री सेल्सियस रहा। बुधवार अल सुबह ढाई से साढ़े पांच बजे के बीच हल्की वर्षा दर्ज की गई। पालम में यह 4.8 मिमी, आयानगर और नजफगढ़ में एक-एक मिमी जबकि राजघाट में 0.7 मिमी वर्षा हुई। इसके बाद दिन भर में फिर कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई।

बृहस्पतिवार के लिए यलो अलर्ट जारी: मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया, 'बृहस्पतिवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि शहर के कुछ हिस्सों में गर्म और उमस भरे मौसम की संभावना है।' वहीं स्काईमेट के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने बताया कि पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र सहित उत्तर-पश्चिमी भारत में अगले कुछ दिनों तक मौसम काफी शुष्क रहने की संभावना है, केवल छिटपुट हल्की वर्षा हो सकती है। पलावत ने कहा, '20 जुलाई के बाद मानसून की निम्न दबाव प्रणाली के दक्षिण की ओर बढ़ते हुए भारत-गंगा के मैदानी इलाके में खिसकने की संभावना है। इस दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत के साथ-साथ मध्य भारत के कुछ हिस्सों में भी मानसून दोबारा सक्रिय हो सकता है।

क्यों इसरो छोड़ रहे हैं अनुभवी वैज्ञानिक एक साल में 100 से ज्यादा का इस्तीफा, सरकार ने कड़े किए नियम

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत का अंतरिक्ष विभाग इस समय बड़ी उथल-पुथल मची हुई है। इसरो के कई सीनियर साइंटिस्ट और टेक्निकल एक्सपर्ट इस्तीफा दे रहे हैं और प्राइवेट स्पेस कंपनियों की तरफ जा रहे हैं। एक के बाद एक पिछले एक साल में करीब 100 120 वैज्ञानिकों ने इस्तीफे दिए हैं। इसरो से वैज्ञानिकों के इस तरह के इस्तीफे को रोकने के लिए भारत सरकार ने बेहद सख्त कदम उठाया है। अंतरिक्ष विभाग ने एक नया निर्देश जारी किया है। जिसके तहत अब ऐसे किसी भी मामले को केंद्र स्तर पर सीधे मंजूरी नहीं मिलेगी, बल्कि अंतिम मंजूरी के लिए हेडक्वार्टर भेजा जाएगा। दरअसल, हाल ही में इस्तीफा देने वालों में गगनयान और चंद्रयान-3 जैसी बड़ी परियोजनाओं के कई प्रोजेक्ट डायरेक्टर और मैनेजर्स भी शामिल हैं। इसको लेकर सरकार का मानना है कि इस तरह अचानक काम छोड़ने से राष्ट्रीय स्तर के प्रोजेक्ट्स पर बुरा असर पड़ रहा है। जिसके चलते सरकार ने वैज्ञानिकों के इस्तीफे और

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के नियमों को बेहद सख्त बना दिया गया है। हालांकि, इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने इसे सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया बताते हुए कहा है कि इससे परियोजनाओं को अचानक होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा

इसरो में वैज्ञानिकों के इस्तीफे पर रोक: वैज्ञानिकों के इस्तीफे रोकने के लिए 14 जुलाई को एक नया अंदरूनी फरमान जारी किया है। इंटरनल मेमोरेंडम में कहा गया है कि हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट्स से जुड़े 'ग्रुप ए' के साइंटिफिक और टेक्निकल स्टाफ के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति या इस्तीफे के अनुरोधों को अब रूटीन के तौर पर आसानी से स्वीकार नहीं किया जाएगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि हाल के दिनों में नौकरी छोड़ने वाले वैज्ञानिकों की संख्या में आई तेजी के कारण राष्ट्रीय महत्व की बेहद महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर गंभीर असर पड़ा है। इसको लेकर सरकार ने निर्देशकों (डायरेक्टर्स) को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि जब तक संबंधित स्पेस मिशन पूरी तरह संपन्न नहीं हो जाते, तब तक वे अपनी तरफ से ऐसे किसी भी अनुरोध को मंजूरी न दें। वह इस्तीफे या वीआरएस के हर मामले को अपनी उचित सिफारिशों के साथ अंतिम निर्णय के लिए सीधे मुख्यालय को फॉरवर्ड करें।

कितने वैज्ञानिकों ने छोड़ी नौकरी

भारतीय अंतरिक्ष विभाग ने यह नहीं बताया है कि कितने वैज्ञानिकों ने नौकरी छोड़ी है, लेकिन कई सूत्रों का कहना है कि पिछले एक साल में 100-120 लोगों ने नौकरी छोड़ी है। इस्तीफा देने वालों में विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विक्टर जोसेफ, क्राव सैटेलाइट सेंटर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और चंद्रयान-3 प्रोजेक्ट मैनेजर (सिमुलेशन) आदित्य रल्लापल्ली शामिल हैं।

यूएस ने ब्राजील पर लगाया 25 प्रतिशत टैरिफ, लूला सरकार ने जताया विरोध, कहा- ये नियम का उल्लंघन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूटीआर) ने ब्राजील से आयातित कुछ वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है। यह फैसला व्यापारिक प्रथाओं की एक साल लंबी जांच के बाद, 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत लिया गया है। राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के नेतृत्व वाली ब्राजील सरकार ने अमेरिका पर पलटवार करते हुए इस कदम को द्विपक्षीय संबंधों में एक दुखद मील का पत्थर और बहुपक्षीय व्यापार नियमों का उल्लंघन बताया।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर ने क्या कहा: अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने गुरुवार को कहा, 'व्यापक सार्वजनिक सुनवाई और टिप्पणियों के साथ-साथ ब्राजील के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। इसके बाद, आज अमेरिकी व्यापार विभाग 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत ब्राजील की कुछ वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाकर कार्रवाई कर रहा है।'

अमेरिका ने ब्राजील पर क्यों लगाया टैरिफ: यह कार्रवाई तब हुई है जब अमेरिका ने यह निष्कर्ष निकाला कि ब्राजील की कई व्यापार नीतियां अनुचित और भेदभावपूर्ण हैं, जो अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों की प्रतिस्पर्धी स्थिति को काफी हद तक बाधित करती हैं।

अमेरिकी व्यापार मंत्रालय की जांच मे क्या पाया गया है: अमेरिकी व्यापार मंत्रालय की जांच में यह पाया गया कि डिजिटल व्यापार और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सेवाओं, अनुचित, तरजीही टैरिफ, भ्रष्टाचार विरोधी हस्तक्षेप, बौद्धिक संपदा संरक्षण, इथेनॉल बाजार पहुंच और अवैध वनों की कटाई से संबंधित कुछ ब्राजील के उपाय तर्कहीन हैं। अमेरिकी किसानों, श्रमिकों, नवोन्मेषकों और निर्यातकों के वाणिज्य पर बोझ डालते हैं या उसे प्रतिबंधित करते हैं।

ब्राजील सरकार के साथ की बात : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूटीआर) के एक बयान के अनुसार, कार्यालय ने दो सार्वजनिक सुनवाई आयोजित कीं, 360 से अधिक सार्वजनिक टिप्पणियां प्राप्त कीं और अमेरिकी चिंताओं के समाधान की तलाश में ब्राजील सरकार के साथ गहन बातचीत की।

अमेरिका का नया सैन्य नियम: 30 पार कर चुके सैनिकों की होगी टेस्टोस्टेरोन स्क्रीनिंग, क्यों लिया गया यह फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बुधवार को एक घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सैन्य कर्मियों की टेस्टोस्टेरोन की कमी के लिए जांच की जाएगी। यह उनकी वार्षिक स्वास्थ्य जांच का हिस्सा होगा।

एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर हेगसेथ ने कहा कि वे सैनिकों के लिए स्क्रीनिंग होगा। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 'आपके पास अपनी पूरी क्षमता से काम करने के लिए टेस्टोस्टेरोन का सही स्तर हो'। जिन सैनिकों में टेस्टोस्टेरोन का स्तर कम होगा, उन्हें स्वैच्छिक हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी की पेशकश की जाएगी। 30 वर्ष से कम आयु वालों के लिए परीक्षण वैकल्पिक होंगे।

हेगसेथ ने यह साफ नहीं किया कि क्या यह स्क्रीनिंग महिलाओं पर भी लागू होगी या नहीं। जिनके टेस्टोस्टेरोन का स्तर भी उम्र बढ़ने के साथ घटता जाता है। हेगसेथ ने

बुधवार के वीडियो में कहा, 'हम अपने योद्धाओं को दुनिया की सबसे बेहतरीन चिकित्सा देखभाल देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कार्यक्रम उस प्रतिबद्धता को पूरा करता है।'

इसका मकसद क्या है : उन्होंने आगे कहा, 'अपने दीर्घकालिक स्वास्थ्य का ख्याल रखने का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि आप मजबूत, लचीले और सक्षम बने रहें। न केवल अपनी अगली तैनाती के लिए, बल्कि अपनी बाकी जीवन के लिए भी, ताकि वर्दी उतारने के बाद भी आप लंबे समय तक फल-फूल सकें।

यह नियम कब से लागू होगा: सेना में डॉक्टर के पर्चे के बिना कृत्रिम मांसपेशियों को बढ़ाने जैसे गैर-चिकित्सीय कारणों से टेस्टोस्टेरोन लेना सख्त वर्जित है। हेगसेथ ने वीडियो में कहा कि नया कार्यक्रम कृत्रिम संवर्धन के बारे में नहीं है।पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने एक बयान में कहा कि टेस्टोस्टेरोन की कमी के लिए अनिवार्य स्क्रीनिंग 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी सक्रिय ड्यूटी और रिजर्व कंपोनेंट कर्मियों के लिए तत्काल प्रभाव से लागू होगी। न्होंने कहा, 'यह प्रोटोकॉल विभाग को एक व्यापक आधारभूत स्तर स्थापित करने और लक्षित टेस्टोस्टेरोन थेरेपी देने में सक्षम बनाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि विभाग एक स्वस्थ, सक्षम और निर्णायक रूप से प्रभावशाली लड़ाकू बल को बनाए रखे।

होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग लगभग ठप: जॉर्डन के अल-अजराक एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया एक बार फिर बारूद की बची हुई आग पर खड़ा है। ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी तनाव ने पूरी दुनिया की सांसें थाम ली हैं। दुनिया का सबसे व्यस्त तेल रास्ता अब मिसाइलों और ड्रोन की आहट से गूंज रहा है। एक तरफ अमेरिका ने हवाई हमले के सेकंड वेव की शुरुआत कर दी है, तो दूसरी तरफ ईरान खाड़ी देशों को निशाना बनाकर जवाब दे रहा है। तेल की सप्लाई रुकने का खतरा, जहाजों का डर, बढ़ती कीमतें, पश्चिम एशिया का यह संकट अब सिर्फ दो देशों की लड़ाई नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की चिंता बन चुका है।

जॉर्डन के अल-अजराक एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला: ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन के अल-अजराक एयरबेस पर खैबर-शिकन बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला कर अमेरिकी लड़ाकू विमानों के स्टोरेज रैंप और पश्चिम एशिया में बने नए अमेरिकी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को निशाना बनाकर तबाह कर दिया। यह कार्रवाई

अमेरिका के उन हमलों के जवाब में की गई है, जिनके कारण अहवाज से कैंसर पीड़ित 121 बच्चों को निकालना पड़ा था और मार्च में मीनाब के एक स्कूल पर हुए हमले में 168 बच्चों की मौत हुई थी। संगठन ने जॉर्डन की जनता से अपील की कि वे अपनी जमीन का इस्तेमाल 'बच्चों के खिलाफ ऐसे अपराधों' के लिए न होने दें। वहीं, जॉर्डन की सेना ने दावा किया है कि उसने बुधवार सुबह ईरान की ओर से दागी गई आठ मिसाइलों को रास्ते में ही इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया।

ईरान के सेमनान एयरपोर्ट और स्टोरेज को अमेरिका ने बनाया निशाना: हालिया तनाव बढ़ने के बाद अमेरिका ने एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार उत्तरी ईरान पर हमला किया है। इससे पहले अक्काला में एक अहम रेलवे पुल को निशाना बनाया गया था, जिसे ईरान के वैकल्पिक व्यापार मार्गों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। अब अमेरिका ने उत्तरी शहर सेमनान में एक नागरिक हवाई अड्डे की मुख्य इमारत पर हमला किया है। ईरानी अधिकारियों के अनुसार, एयरपोर्ट को मामूली नुकसान पहुंचा है, हालांकि उन्होंने हमले के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। इसी शहर में स्थित एक स्टोरेज सुविधा भी अमेरिकी हमले की चपेट में आई, लेकिन वहां क्या रखा था और नुकसान कितना हुआ, इसे लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा: ईरान की सेना ने दावा किया है कि उसने अपने जवाबी सैन्य अभियान 'ऑपरेशन लाइटनिंग' के दसवें चरण के तहत कुछ घंटे पहले कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। सरकारी मीडिया में जारी बयान के अनुसार, कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस पर मौजूद अमेरिकी सेना के रडार सिस्टम, पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम और ईंधन भंडारण टैंकों को निशाना बनाया गया। वहीं, एक अलग हमले में बहरीन के शेख ईसा एयर बेस पर अमेरिकी सेना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे संचार तंत्र, सुपर हॉक रडार, पैट्रियट रक्षा प्रणाली और अन्य रडार प्रतिष्ठानों पर ड्रोन से हमला करने का दावा किया गया। इससे पहले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर हमले का दावा करते हुए कहा था कि उसने अली अल सलेम एयर बेस पर तैनात सी-रैम प्रारंभिक चेतावनी रडार और अमेरिकी सैनिकों के एक जमावड़े को निशाना बनाया। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

ईरान में तेहरान ने राजदूत को किया तलब: ब्रिटेन द्वारा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को यूके काउंटरिंग स्टेट थ्रेट्स एक्ट के तहत सुरक्षा खतरे के रूप में सूचीबद्ध किए जाने के बाद ईरान ने बुधवार को तेहरान में ब्रिटेन के राजदूत को तलब किया। ईरानी विदेश मंत्रालय ने तस्नीम समाचार एजेंसी के माध्यम से जारी बयान में कहा कि ब्रिटेन का यह कदम 'बिना जवाब के नहीं छोड़ा जाएगा।' यह घटनाक्रम उस कार्रवाई के एक दिन बाद सामने आया है, जब ब्रिटेन ने लंदन में ईरान के कार्यवाहक राजदूत अली नसीमफर को तलब किया था। ब्रिटिश सरकार का आरोप है कि हाल के महीनों में ईरान ने यूरोप में हमलों को अंजाम देने के लिए अपने प्रॉक्सी समूहों का इस्तेमाल किया है। इसी आधार पर ब्रिटेन ने सोमवार को नए कानूनी प्रावधानों के तहत आईआरजीसी और उससे जुड़े एक संगठन को सुरक्षा खतरा घोषित किया। इन नए प्रावधानों का उद्देश्य विदेशी देशों को निगरानी, तोड़फोड़ और अन्य गुप्त गतिविधियों के लिए प्रॉक्सी संगठनों के इस्तेमाल से रोकना है।

ईरान ने सक्रिय किया एयर डिफेंस

ईरान में संघर्ष लगातार तेज होता जा रहा है। राजधानी तेहरान के ऊपर एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए गए हैं।

गांधीग्राम में गूंजा जनजातीय स्वाभिमान का स्वर: 'बंका बैगा' नाटक ने जीवंत किया स्वतंत्रता संग्राम का गौरवशाली इतिहास

भारत स्पीक्स थ्रू थिएटर अभियान के तहत जनजातीय वीरों के अदम्य साहस और बलिदान को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वंदे मातरम् राष्ट्रगीत की सार्धशती के अवसर पर आयोजित 'भारत स्पीक्स थ्रू थिएटर – युवा रंगमंच से राष्ट्र जागरण' अभियान के तहत सीधी जिले के गांधीग्राम में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानीबांकेलाल उर्फ बंका बैगा के जीवन, संघर्ष और बलिदान पर आधारित भव्य रंगमंचीय नाटक 'बंका बैगा' का प्रभावशाली मंचन किया गया। संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली तथा इन्द्रवती नाट्य समिति, सीधी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम ने जनजातीय स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता संग्राम के अनसुने अध्यायों को जीवंत करते हुए दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बंका बैगा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद वंदे मातरम् और राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत हो उठा इस अवसर पर बंका बैगा के परिजनों, उनके संघर्षकालीन सहयोगी इंद्रभान जायसवाल तथा अनेक वरिष्ठजनों का अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं विशिष्ट अतिथियों का भी अभिनंदन किया गया आयोजन का सबसे आकर्षक हिस्सा गांधीग्राम की गलियों में निकली जनजागरण रैली रही बैगा समाज के पारंपरिकसइला जनजातीय नृत्य ने स्थानीय संस्कृति की मनोहारी झलक प्रस्तुत की रैली के दौरान 'बंका बैगा अमर रहें, 'रामभजन बैगा अमर रहें चंद्रप्रताप तिवारी अमर रहें और 'नीलकंठ तिवारी अमर रहें जैसे गगनभेदी नारों से पूरा गांधीग्राम राष्ट्रप्रेम और जनजातीय गौरव की भावना से गूंज उठा। ग्रामीणों, युवाओं, विद्यार्थियों और कलाकारों की बड़ी भागीदारी ने इस आयोजन को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया। इसके पश्चात प्रस्तुत किए गए देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को और अधिक प्रेरणादायी बना दिया अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है लेकिन इतिहास के अनेक पन्नों में उनके संघर्ष और बलिदान को वह स्थान नहीं मिल पाया जिसके वे वास्तविक हकदार थे उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपने इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं वक्ताओं ने रंगमंच को समाज में जागरूकता फैलाने और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि कला के माध्यम से इतिहास को जीवंत रूप में प्रस्तुत करना युवाओं में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक चेतना विकसित करने का प्रभावी प्रयास है। नाटक 'बंका बैगा' में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज के संघर्ष, स्वाभिमान, साहस और बलिदान को लोकनाट्य शैली में अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया सशक्त संवाद, भावपूर्ण अभिनय, लोकसंगीत और प्रभावी मंच सज्जा ने दर्शकों को स्वतंत्रता संग्राम के उस दौर में पहुंचा दिया, जब जनजातीय समाज ने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अंग्रेजी शासन का डटकर मुकाबला किया था कलाकारों की प्रस्तुति इतनी सजीव रही कि दर्शक कई दृश्यों में भावुक हो उठे और पूरे नाटक के दौरान तालियों की गड़गड़ाहट से सभास्थल गूंजता रहा। नाटक मेंदेवेंद्र तिवारी ने बंका बैगा की भूमिका को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से निभाया।लकी चतुर्वेदी ने चंद्रप्रताप तिवारी,जय सिंह ने रामभजन बैगा,अमितेश द्विवेदी ने डॉ. राममनोहर लोहिया,प्रभात कुमार पटेल ने ददई सिंह,हिमांशु मिश्र ने जमुना प्रसाद शास्त्री,अकुंश पाण्डेय ने कलेक्टर एवं मुखिया,ओमकार पाण्डेय ने बंसपति राम शुक्ला, जगदेव सिंह, जनार्दन शुक्ला एवं सबाईलाल,वतन द्विवेदी औरशुभ सिंह ने सूत्रधार,राम किशन साकेत ने भगबत,आकाश प्रजापति ने पी.ए. तथाशिव बहोर जायसवाल ने यदुनाथ सिंह की भूमिका का सशक्त निर्वहन किया समूह कलाकारों की सामूहिक प्रस्तुति ने नाटक को और अधिक प्रभावशाली बनाया।

सार्थक एप में उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले 51 कर्मचारियों का वेतन काटा गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग में समयबद्ध उपस्थिति, कार्य संस्कृति में अनुशासन एवं कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अशोक कुमार खरे ने सार्थक एप में नियमित उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले 51 कर्मचारियों के विरुद्ध वेतन कटौती की कार्रवाई की है सीएमएचओ ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों की दैनिक उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से दर्ज की जाती है डिजिटल उपस्थिति प्रणाली के माध्यम से कर्मचारियों की कार्यस्थल पर उपलब्धता एवं नियमित उपस्थिति की निगरानी की जाती है विभागीय समीक्षा के दौरान पाया गया कि 51 कर्मचारियों द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार सार्थक एप पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं की गई उन्होंने बताया कि उपस्थिति दर्ज नहीं करना शासन के निर्देशों की अवहेलना एवं कार्य के प्रति लापरवाही की श्रेणी में आता है इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मचारियों के वेतन में नियमानुसार कटौती की गई है डॉ. अशोक कुमार खरे ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं सीधे आमजन से जुड़ी हुई हैं। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का समय पर अपने कार्यस्थल पर उपस्थित रहना और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार डिजिटल उपस्थिति दर्ज करना आवश्यक है उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन के निर्देशों का पालन नहीं करने वाले एवं कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध भविष्य में भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी सीएमएचओ ने जिले के सभी स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन निर्धारित समय पर सार्थक एप में अपनी उपस्थिति दर्ज करना सुनिश्चित करें साथ ही अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी एवं निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं।

जनपद पंचायत सीधी की सामान्य सभा की बैठक संपन्न

विभागीय योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत सीधी की सामान्य सभा की बैठक गुरुवार को जनपद पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार ने की इस अवसर पर जनपद पंचायत उपाध्यक्ष इंजीनियर सुमन सिंह, जनपद सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका सहित विभिन्न विभागों के खंड स्तरीय अधिकारी एवं जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागों से संबंधित योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की गई जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों में संचालित विकास कार्यों की स्थिति, आम नागरिकों की समस्याओं और आवश्यकताओं को बैठक में प्रमुखता से रखा। इस दौरान पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार,

कृषि सहित अन्य जनकल्याणकारी विषयों पर चर्चा की गई बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि वे स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को शासन की योजनाओं का समय पर लाभ मिल सके। जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की सभी योजनाओं और विकास कार्यों का क्रियान्वयन समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से किया जाए उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और नागरिकों की सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी सभी अधिकारी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक है कि योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचे। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और कार्यों की नियमित निगरानी की जाए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि क्षेत्र भ्रमण कर जमीनी स्तर पर योजनाओं की स्थिति का जायजा लें और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाएं बैठक में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लंबित कार्यों की प्रगति, विभागीय समन्वय और जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सुझावों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से संबंधित कार्यों की जानकारी देते हुए आगामी कार्ययोजना के संबंध में भी अवगत कराया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदूलाल पनिका ने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करें तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखें उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र के विकास कार्यों को गति प्रदान की जाए बैठक के अंत में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे आपसी समन्वय और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें सामान्य सभा की बैठक में लिए गए निर्णयों को समय सीमा में पूरा करने तथा विकास कार्यों की निरंतर समीक्षा करने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

अब व्हाट्सएप पर मिलेगा आवेदन का प्रमाण-पत्र: लोकसेवा केंद्र की डिजिटल सुविधा से नागरिकों को बड़ी राहत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन ने डिजिटल सुशासन को मजबूत बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब लोकसेवा केंद्रों के माध्यम से विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले नागरिकों को, जहां यह सुविधा उपलब्ध है उनके आवेदन से संबंधित प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज सीधे पंजीकृत व्हाट्सएप नंबर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं इस नई व्यवस्था से नागरिकों को प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए बार-बार कार्यालयों या लोकसेवा केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे जिससे समय, श्रम और धन की बचत होगी नई डिजिटल व्यवस्था के तहत आवेदन करते समय आवेदक द्वारा दर्ज किए गए मोबाइल नंबर पर आवेदन का निराकरण होने के बाद शासन की ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से प्रमाण-पत्र की डिजिटल प्रति अथवा उसे डाउनलोड करने का लिंक व्हाट्सएप पर भेज दिया जाता है नागरिक अपने मोबाइल फोन पर ही दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं उसे सुरक्षित रख सकते हैं और आवश्यकता पड़ने पर उसका प्रिंट भी आसानी से निकाल सकते हैं इससे दस्तावेजों के सुरक्षित संरक्षण के साथ-साथ उनका उपयोग भी पहले की तुलना में अधिक सरल हो गया है ध्यप्रदेश शासन की यह पहल नागरिक सेवाओं को अधिक पारदर्शी, तेज और सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास मानी जा रही है डिजिटल माध्यम से प्रमाण-पत्र उपलब्ध होने से न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तेजी आएगी, बल्कि कार्यालयों में भीड़ भी कम होगी और नागरिकों को अनावश्यक प्रतीक्षा से राहत मिलेगी यह सुविधा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के उन लोगों के लिए लाभदायक साबित होगी जिन्हें प्रमाण-पत्र लेने के लिए लंबी दूरी तय कर लोकसेवा केंद्र या संबंधित कार्यालय पहुंचना पड़ता था जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि लोकसेवा केंद्र में आवेदन करते समय अपना सही एवं सक्रिय मोबाइल नंबर ही दर्ज कराएं, जिस पर व्हाट्सएप संचालित हो यदि आवेदन के दौरान गलत या निष्क्रिय मोबाइल नंबर दर्ज किया जाता है तो प्रमाण-पत्र प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है साथ ही यदि भविष्य में मोबाइल नंबर बदलता है तो उसकी जानकारी संबंधित विभाग अथवा लोकसेवा केंद्र को समय पर उपलब्ध कराना भी आवश्यक होगा ताकि डिजिटल सेवाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे। प्रशासन ने जिले के नागरिकों से इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने तथा अपने परिवार, मित्रों और परिचितों को भी इसके बारे में जागरूक करने का आग्रह किया है।

एनआरएलएम की जिला एवं विकासखंड स्तरीय गतिविधियों की समीक्षा, लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) अंतर्गत जिले एवं विकासखंड स्तर पर संचालित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा बैठक गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में आयोजित की गई बैठक में जिला प्रबंधक एनआरएलएम पुष्पेंद्र सिंह सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी तथा मिशन से जुड़े कर्मचारी उपस्थित रहे बैठक में एनआरएलएम की प्रगति से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने ग्रामीण परिवारों को स्व-सहायता समूहों से जोड़ने के लिए चलाए जा रहे हाउसहोल्ड कवरेज अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पात्र परिवारों की पहचान कर उन्हें शीघ्र मिशन से जोड़ने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है इसके लिए विशेष अभियान चलाकर निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए समीक्षा बैठक के दौरान ई-केवाईसी फेस ऑथेंटिकेशन की प्रगति की भी जानकारी ली गई सीईओ जिला पंचायत ने लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा ई-केवाईसी प्रक्रिया को गति देने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के लिए तकनीकी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाना आवश्यक है बैठक में स्व-सहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़े कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) वितरण एवं बैंक प्रकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की गई मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बैंक अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर पात्र समूहों को समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए वित्तीय सहायता की प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाया जाए इस अवसर पर लखपति दीदी पोर्टल पर हितग्राहियों की जानकारी दर्ज किए जाने की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

सीएमएचओ ने सिहावल क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अशोक कुमार खरे ने गुरुवार को सिहावल क्षेत्र की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिहावल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमिलिया एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बहरी पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं तथा संस्थागत व्यवस्थाओं का विस्तार से जायजा लिया निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने प्रसूता वार्ड में भर्ती महिलाओं से संवाद कर संस्थागत प्रसव की स्थिति, प्रसव के बाद दी जा रही देखभाल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की उन्होंने प्रसूताओं को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन एवं पोषण आहार की गुणवत्ता के संबंध में भी फीडबैक लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रसूता महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की देखभाल में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से संचालित की जाएं डॉ. खरे ने स्वास्थ्य संस्थाओं के वार्ड, प्रसव कक्ष, बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी), दवा वितरण कक्ष सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, रोगी पंजीयन प्रक्रिया एवं उपचार व्यवस्था की समीक्षा की उन्होंने स्वास्थ्य कर्मचारियों को निर्देश दिए कि संस्थाओं में स्वच्छता एवं रोगी सुरक्षा से संबंधित निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित ऑनलाइन पोर्टलों पर की जाने वाली एंट्री की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्वास्थ्य सेवाओं, हितग्राहियों एवं मरीजों से संबंधित आवश्यक जानकारी निर्धारित समय-सीमा में पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज की जाए।

18 जुलाई को आयोजित होगी चेक बाउंस प्रकरणों की विशेष लोक अदालत

समन्वय बैठक में अधिकाधिक मामलों के राजीनामे से निराकरण पर दिया गया जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के मार्गदर्शन में 18 जुलाई 2026 (शनिवार) को चेक बाउंस प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के उद्देश्य से आयोजित होने वाली इस विशेष लोक अदालत की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जिला न्यायालय परिसर में समन्वय बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता यतीन्द्र कुमार गुरु, विशेष न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी विशेष लोक अदालत सीधी द्वारा की गई बैठक में न्यायालयों में लंबित चेक बाउंस मामलों के अधिकाधिक संख्या में आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित करने पर विशेष चर्चा की गई न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे संबंधित पक्षकारों को विवादों के त्वरित समाधान के लिए प्रेरित करें ताकि दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निपटारा किया जा सके। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि लोक अदालत विवादों के समाधान का एक सरल, प्रभावी और कम खर्चीला माध्यम है इसके माध्यम से पक्षकार लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से बच सकते हैं और आपसी सहमति से अपने मामलों का समाधान प्राप्त कर सकते हैं चेक बाउंस जैसे मामलों में लोक अदालत के माध्यम से समझौता होने से न्यायालयों पर लंबित प्रकरणों का भार भी कम होता है जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने चेक बाउंस प्रकरणों से जुड़े पक्षकारों से अपील की है कि वे यदि आपसी सहमति से अपने विवाद का समाधान चाहते हैं तो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीधी अथवा संबंधित न्यायालय से संपर्क कर 18 जुलाई को आयोजित विशेष लोक अदालत में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से विवादों का शीघ्र, सरल और शांतिपूर्ण समाधान संभव है, जिससे पक्षकारों के समय और धन दोनों की बचत होती है बैठक में न्यायालयों में लंबित मामलों की स्थिति की समीक्षा की गई तथा विशेष लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं और समन्वय पर विचार-विमर्श किया गया इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालयदीपक शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीशमनीष कुमार वास्तव, प्रथम जिला न्यायाधीशराकेश कुमार सोनी, तृतीय जिला न्यायाधीशरवीन्द्र कुमार शर्मा सहित अनेक न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे इसके अतिरिक्त सतीशमणि त्रिपाठी, विनोद कुमार वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सोनू जैन, सुसरिता चौधरी, कपिल देव काछी, सुअर्पिता त्रिपाठी, धीरज आर्य एवं आकर्ष मिश्रा तथा जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक भी बैठक में शामिल हुए तहसील न्यायालय रामपुर नैकिन, मझौली एवं चुरहट के न्यायिक अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक 20 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आगामी 15 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए 20 जुलाई को जिला पंचायत सभागार में बैठक आयोजित की जाएगी यह बैठक नियमित टी.एल. (टाइम लिमिट) बैठक के समाप्त होने के तत्काल बाद आयोजित होगी अपर कलेक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन पुलिस ग्राउंड, सीधी में गरिमामय एवं व्यवस्थित रूप से किया जाएगा समारोह को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों को सौंपे जाने वाले दायित्वों, व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक में की जाएगी बैठक में समारोह स्थल की व्यवस्थाओं, मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैठक व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परेड, आमंत्रण व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी संबंधित विभागों से उनकी तैयारियों एवं कार्ययोजना की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे अपर कलेक्टर ने जिले के समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित तैयारियों की जानकारी एवं कार्ययोजना के साथ बैठक में शामिल हों जिससे स्वतंत्रता दिवस समारोह की सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण की जा सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस का आयोजन जिले में उत्साह, गरिमा और अनुशासन के साथ किया जाना है।

आयात की अर्थव्यवस्था

संपादकीय

राष्ट्रपति ट्रंप बयान देते हैं और देशों की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खाने लगती हैं। बाजार धड़ाम से गिरते हैं। तेल, गैस, उर्वरक और अन्य सामान की किल्लत बढ़ने लगती है, लिहाजा संकट भी व्यापक और विकराल होने लगते हैं। मंदी और महंगाई भी बढ़ने लगती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के अलग-अलग ठिकानों और परमाणु केंद्रों पर लगातार 21 दिन तक हमलों की योजना का ऐलान किया है। फिलहाल औसतन 4 घंटे हररोज हमले किए जा रहे हैं। ईरान ने भी नई मिसाइल से खाड़ी देशों के अमरीकी ठिकानों पर विनाशक हमले जारी रखे हैं। अमरीका के वायु बेस, नौसेना बेड़े, रडार सिस्टम, मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमले कर ईरान ने साफ कर दिया है कि वह युद्ध के मोर्चे पर अभी तैनात है और लड़ रहा है। बहरहाल इन हमलों का पहला असर यह है कि कच्चे तेल के दाम 86 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गए हैं। ये दाम 71 डॉलर तक लुढ़क आए थे, जब समझौते के सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। एकबारगी लगा था कि युद्ध का अंत निकट है, लेकिन यह पहले की तरह ही विनाशक और वीभत्स हो रहा है। अब तेल-बाजार में जो शिपमेंट (लदान) बुक की जा रही है, वह 86-87 डॉलर के हिसाब से की जा रही है। बीते 15 दिनों में ही भारत के खजाने पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए का बोझ बढ़ चुका है, क्योंकि आयात-बिल बढ़ा है। भारत को कच्चा तेल 105 डॉलर प्रति बैरल पर खरीदना पड़ रहा है। इसमें युद्ध-बीमा, परिवहन की बढ़ी दरें और ईरान का टोल-टैक्स आदि भी शामिल हैं। यदि लाल सागर की ओर हूती लड़ाकों ने 'बाब-अल-मंदेब' मार्ग को बंद कर दिया, तो 12 फीसदी वैश्विक आपूर्ति और प्रभावित होगी, नतीजतन तेल की कीमतें 200 डॉलर तक उछल सकती हैं, ऐसा विशेषज्ञों का दावा है। दरअसल अर्थशास्त्रियों के विश्लेषण हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था आयात-केंद्रित हो चुकी है। घरेलू उत्पादन से बेहतर आयात लगता है और वह अभी तक आसान भी रहा है। आयात न केवल घरेलू बाजार, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर, बल्कि निर्यात पर भी हावी हो चुका है। भारत का आयात 16 फीसदी बढ़ चुका है। अनुमान है कि आयात 17-18 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जो बीते साल में 11 लाख करोड़ रुपए रहा है। भारत खाड़ी देशों को 19 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निर्यात करता रहा है, लेकिन ईरान युद्ध और खाड़ी देशों तक आपूर्ति के व्यवधान और जोखिमों के कारण निर्यात काफी प्रभावित हो रहा है। इन परिस्थितियों में भारत का व्यापार-घाटा बढ़ रहा है। यदि कच्चा तेल 10 फीसदी भी महंगा होता है, तो चालू खाता घाटा देश के जीडीपी का 0.4 फीसदी बढ़ जाता है। सीईआईसी के मुताबिक, भारत में जहां मैन्युफैक्चरिंग की स्थिति पूर्ववत है, वहीं निर्माण-कार्यों और सेवा क्षेत्र के व्यापार और परिवहन में भारी गिरावट दर्ज की गई है। गांव के गरीबों, किसानों को शहर के निर्माण-कार्यों में रोजगार मिलता रहा है, लेकिन गिरावट के बाद उन्हें गांव की ओर लौटना पड़ रहा है। सूखे से खेती पर भी असर पड़ना तय है, लिहाजा कई फसलें इस बार कम बोई गई हैं। इस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था कई तरह कुचली जाएगी। महंगाई की जो दरें उच्चतम स्तर पर पाई गई हैं, उनमें गांव में महंगाई अपेक्षाकृत बढ़ी है। बहरहाल भारत में कच्चे तेल की आमद तो संतोषजनक है, क्योंकि रूस सप्लाई कर रहा था। भारत अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका आदि देशों से तेल की 'स्पॉट खरीददारी' भी कर रहा है। संकट एलएनजी का है। करीब 60 फीसदी एलएनजी होर्मुज के रास्ते भारत तक आती थी, लेकिन बीते शनिवार, 11 जुलाई, के बाद एलएनजी की सप्लाई भारत में नहीं हुई है। हालांकि अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे आदि देशों से एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति जारी है।

आत्मनिर्भर भारत से वैश्विक प्रौद्योगिकी नेतृत्व की ओर एक निर्णायक कदम

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम(MPMS) को मंजूरी दिया जाना भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के लिए एक ऐतिहासिक और दूरगामी महत्व का निर्णय है। 62,500 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान वाली यह योजना केवल मोबाइल फोन निर्माण बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका व्यापक उद्देश्य भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, अनुसंधान, डिज़ाइन और नवाचार का अग्रणी केंद्र बनाना है।यह योजना ऐसे समय में लाई गई है, जब बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए लागू उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (क्क्ष्ठ-स्स्श्वरू) 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है। नई योजना उस सफलता को अगले चरण तक ले जाने का प्रयास है। इसका कार्यकाल वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पाँच वर्षों का होगा।एमपीएमएस के अंतर्गत भारत में निर्मित मोबाइल फोन की पात्र बिक्री पर 2.25 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया जाएगा। यदि निर्माता प्रमुख पुर्जों और उप-असेंबलियों की घरेलू खरीद बढ़ाते हैं तो उन्हें 1.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं भारतीय ब्रांडों को डिज़ाइन, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए 3 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इससे स्पष्ट है कि सरकार केवल असेंबली आधारित उत्पादन नहीं, बल्कि वास्तविक तकनीकी क्षमता, नवाचार और बौद्धिक संपदा निर्माण को प्रोत्साहित करना चाहती है।सरकार का अनुमान है कि योजना की अवधि में देश में लगभग 39 लाख करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन का संचयी उत्पादन होगा। साथ ही मोबाइल फोन निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा लगभग 60,000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर इससे कहीं अधिक होंगे, जिससे लाखों युवाओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं और महिलाओं को रोजगार मिलने की संभावना है।पिछले एक दशक में 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014-15 की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन लगभग सात गुना तथा निर्यात ग्यारह गुना बढ़ चुका है। आज भारत मात्रा के आधार पर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है और देश में उपयोग होने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल फोन भारत में ही निर्मित हो रहे हैं।वर्ष 2025 में स्मार्टफोन भारत का सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद बन गया, जिसने डीजल ईंधन और कटे-तराशे हीरों जैसे पारंपरिक निर्यात उत्पादों को भी पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र अब भारतीय अर्थव्यवस्था की नई विकास धुरी बनता जा रहा है।नई योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें भारतीय कंपनियों को अपने स्वयं के ब्रांड, डिज़ाइन और अनुसंधान विकसित करने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया गया है।लंबे समय तक भारत वैश्विक कंपनियों के लिए विनिर्माण केंद्र बना रहा, लेकिन अब लक्ष्य केवल निर्माण नहीं, बल्कि तकनीकी स्वावलंबन, भारतीय पेटेंट और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारतीय ब्रांड तैयार करना है।घरेलू मूल्य संवर्धन बढ़ाने पर विशेष बल देने से मोबाइल फोन उद्योग में चिप,कैमरा मॉड्यूल, डिस्प्ले,बैटरी,प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और अन्य महत्वपूर्ण पुर्जों के निर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे आयात पर निर्भरता घटेगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और आपूर्ति श्रृंखला अधिक मजबूत तथा सुरक्षित बनेगी।आज वैश्विक कंपनियाँ अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की दिशा में तेजी से काम कर रही हैं।ऐसे समय में भारत के पास कुशल मानव संसाधन,विशाल घरेलू बाजार,बेहतर अवसंरचना और अपेक्षाकृत स्थिर नीतिगत वातावरण जैसी महत्वपूर्ण शक्तियाँ हैं। एमपीएमएस इन सभी क्षमताओं को एकीकृत करते हुए भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है।हालाँकि इस योजना की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि घरेलू अनुसंधान एवं विकास, सेमीकंडक्टर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उद्योग, कौशल विकास और नवाचार को समान गति से आगे बढ़ाया जाए।

भूख से बड़ा सवाल

कुमार कृष्णन

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि सरकारें गलती करती हैं। गलती तो हर सरकार करती है। असली विडंबना तब शुरू होती है, जब सरकारें यह मान बैठती हैं कि गलती मान लेना कमजोरी है और संवाद करना सत्ता की प्रतिष्ठा के विरुद्ध है। सत्ता जितनी ऊँची होती जाती है, उतनी ही धीमी उसे जनता की आवाज़ सुनाई देने लगती है। और जब कानों तक आवाज़ पहुँचना बंद हो जाए, तब सड़कें बोलने लगती हैं।

दिल्ली का जंतर-मंतर एक बार फिर बोल रहा है।

वहाँ एक व्यक्ति भूखा बैठा है, लेकिन उसका सवाल अकेला नहीं है। पर्यावरण कार्यकर्ता और लद्दाख के सामाजिक चिंतक सोनम वांगचुक का अनशन अब केवल लद्दाख की संवैधानिक व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण या स्थानीय अधिकारों का आंदोलन नहीं रह गया है। वह उस बेचैनी का प्रतीक बन गया है, जिसे आज देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग नामों से महसूस किया जा रहा है। कहीं किसान अपनी फसल का मूल्य पूछ रहा है, कहीं युवा रोजगार का भविष्य तलाश रहा है, कहीं विद्यार्थी परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है और कहीं पहाड़ अपने अस्तित्व की चिंता में आवाज़ दे रहे हैं। इन सभी प्रश्नों के बीच जंतर-मंतर पर बैठा एक अनशनकारी मानो पूरी व्यवस्था से पूछ रहा है—क्या लोकतंत्र में नागरिक की बात सुनने के लिए उसे पहले अपनी भूख साबित करनी होगी? यह प्रश्न असुविधाजनक है। इसलिए शायद इसका उत्तर भी असुविधाजनक ही होगा।सत्ता की एक पुरानी आदत है। वह विरोध को पहले छोटा मानती है, फिर उसे राजनीतिक बताती है, उसके बाद उसे प्रायोजित घोषित करती है और अंत में, यदि वह आंदोलन बड़ा हो जाए, तो संवाद का दरवाज़ा खोलती है। यह क्रम नया नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब संवाद अक्सर अंतिम विकल्प बन गया है, जबकि लोकतंत्र में उसे पहला विकल्प होना चाहिए। सोनम वांगचुक की सभी माँगों से हर नागरिक सहमत हो, यह आवश्यक नहीं। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है। लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की परिपक्वता इस बात से नहीं मापी जाती कि उसने कितनी माँगें मानीं; उससे यह मापी जाती है कि उसने कितनी बातें सुनीं। यदि सरकार अपनी बात कह सकती है, तो नागरिक को भी अपनी बात कहने का समान अधिकार है। और यदि नागरिक अपनी बात कहने के लिए अनशन का सहारा लेता है, तो यह उसकी पहली पसंद नहीं, बल्कि संवाद की विफलता का संकेत है। विडंबना देखिए। यह वही देश है जिसने दुनिया को महात्मा गांधी दिए। गांधी ने सत्याग्रह और उपवास को सत्ता को अपमानित करने का माध्यम नहीं बनाया था; उन्होंने उसे सत्ता की अंतरात्मा को जगाने का माध्यम बनाया था। उनके लिए अनशन किसी सरकार के विरुद्ध युद्ध नहीं था, बल्कि समाज के विवेक को झकझोरने का नैतिक प्रयास था। लेकिन आज लगता है कि राजनीतिक सत्ता की संवेदनशीलता का तापमान इतना कम हो गया है कि नैतिक आग्रह भी प्रशासनिक नोटिंग में बदल जाते हैं। आज शासन का चरित्र भी बदल गया है। पहले सरकारें संवाद के बाद घोषणा करती थीं, अब अक्सर घोषणा के बाद संवाद खोजा जाता है। पहले नीतियाँ लोगों तक पहुँचती थीं, अब प्रचार पहले पहुँच जाता है और संवाद बाद में। सरकारें नागरिकों से कम और कैमरों से अधिक बात करती दिखाई देती हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस दुर्लभ होती जा रही हैं, लेकिन विज्ञापन लगातार बढ़ रहे हैं। यह केवल एक सरकार की समस्या नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक राजनीति का नया रोग बनता जा रहा है। जंतर-मंतर पर जुटी भीड़ का अर्थ केवल संख्या नहीं है। वहाँ कलाकार हैं, लेखक हैं, सामाजिक कार्यकर्ता हैं, पर्यावरणविद हैं, छात्र हैं, किसान संगठनों के प्रतिनिधि हैं और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग भी हैं। अभिनेत्री जीनत अमान, नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, स्वरा भास्कर, अभिनेता अभय देओल और अन्य सार्वजनिक हस्तियों ने समर्थन दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी भी पहुँचीं। विपक्ष के नेताओं की उपस्थिति भी रही। इन चेहरों की उपस्थिति किसी आंदोलन को स्वतः सही सिद्ध नहीं करती, लेकिन यह अवश्य बताती है कि उसके उठाए गए प्रश्नों को नज़रअंदाज़ करना अब आसान नहीं रहा। लोकतंत्र में सबसे खतरनाक स्थिति तब पैदा होती है जब सरकार यह मान ले कि विरोध केवल विपक्ष की परियोजना है और आंदोलन केवल राजनीतिक षड्यंत्र। यदि हर असहमति के पीछे साज़िश खोजी जाएगी, तो वास्तविक समस्याएँ धीरे-धीरे बहस से बाहर हो जाएँगी। फिर नागरिक सवाल पूछने से पहले अपनी नीयत का प्रमाण देने लगेगा। यह किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव हैं, लेकिन लोकतंत्र केवल चुनाव नहीं है। चुनाव पाँच वर्ष में एक बार होते हैं; लोकतंत्र हर दिन जीवित रहता है। वह नागरिक और सरकार के बीच भरोसे पर टिका होता है। यह भरोसा तब मजबूत होता है जब सरकार आलोचना सुनती है। लेकिन यदि सत्ता केवल तालियाँ सुनने की आदी हो जाए, तो धीरे-धीरे उसे जनता की आवाज़ शोर लगने लगती है।

यही वह मोड़ है जहाँ लोकतंत्र का वास्तविक परीक्षण शुरू होता है। सवाल यह नहीं कि सोनम वांगचुक का अनशन कब समाप्त होगा। सवाल यह है कि क्या सत्ता इस अवसर को संवाद में बदलेगी या फिर उसे भी समय के भरोसे छोड़ देगी। क्योंकि इतिहास गवाह है—जनता की आवाज़ को लंबे समय तक अनसुना किया जा सकता है, लेकिन हमेशा के लिए दबाया नहीं जा सकता। लोकतंत्र में सत्ता का सबसे बड़ा भ्रम यह होता है कि वह स्वयं को राष्ट्र का पर्याय समझने लगती है। धीरे-धीरे सरकार और देश के बीच की रेखा धुंधली कर दी जाती है। सरकार की आलोचना को राष्ट्र की आलोचना और नीतियों पर सवाल को विकास विरोधी मानसिकता घोषित कर देना आज की राजनीति का आसान हथियार बन गया है। लेकिन लोकतंत्र का सौंदर्य ही यह है कि उसमें सरकार स्थायी नहीं होती, संविधान और जनता स्थायी होते हैं। यही कारण है कि जंतर-मंतर का यह आंदोलन केवल एक व्यक्ति या एक क्षेत्र का आंदोलन नहीं रह जाता। यह उस लोकतांत्रिक संस्कृति का परीक्षण बन जाता है, जिसमें सरकार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह केवल शासन न करे, बल्कि सुने भी। आखिर जनता ने सरकार इसलिए नहीं चुनी कि वह केवल आदेश दे; इसलिए चुनी कि वह संवाद भी करे। भारत का इतिहास बताता है कि बड़े परिवर्तन सत्ता के गलियारों से कम और समाज की बेचैनी से अधिक निकले हैं। स्वतंत्रता आंदोलन हो, भूदान आंदोलन हो, जेपी आंदोलन हो या सूचना के अधिकार की लड़ाई—हर बार सत्ता को अंततः जनता की आवाज़ सुननी पड़ी। उस समय भी सरकारों के पास बहुमत था, प्रशासन था और कानून था, लेकिन जनता के पास नैतिक शक्ति थी। इतिहास बार-बार यह सिद्ध करता है कि नैतिक शक्ति को लंबे समय तक प्रशासनिक शक्ति से दबाया नहीं जा सकता।

सोनम वांगचुक का आंदोलन एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है—क्या विकास का अर्थ केवल कंक्रीट, सुरंगें, सड़कें और निवेश है? या विकास का अर्थ उन पहाड़ों, नदियों, जंगलों और स्थानीय समुदायों का संरक्षण भी है जिन पर भविष्य की पीढ़ियाँ निर्भर हैं? हिमालय कोई साधारण पर्वत श्रृंखला नहीं है। वह भारत की जल-सुरक्षा का आधार है। उसकी बर्फ पिघलती है तो केवल लद्दाख नहीं, पूरा उत्तर भारत प्रभावित होता है। इसलिए पर्यावरण का प्रश्न अब किसी पर्यावरण प्रेमी का निजी शौक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता का प्रश्न बन चुका है।

दुर्भाग्य यह है कि पर्यावरण की चर्चा अक्सर दो अतियों में फँस जाती है। एक पक्ष हर परियोजना का विरोध करता दिखाई देता है, दूसरा पक्ष हर परियोजना को विकास का दूसरा नाम बता देता है। सच्चाई इन दोनों के बीच है। विकास चाहिए, लेकिन ऐसा जो भविष्य को गिरवी रखकर वर्तमान की चमक न खरीदे। यदि पहाड़ टूटेंगे, नदियाँ सूखेंगी और जलवायु असंतुलित होगी, तो विकास की कीमत अंततः आम नागरिक ही चुकाएगा। लेकिन जंतर-मंतर की कहानी केवल पर्यावरण की भी नहीं है। यह लोकतंत्र में असहमति के सिकुड़ते स्थान की कहानी भी है। आज विरोध करने वाले को पहले राजनीतिक खाँचे में फिट किया जाता है। यदि वह सरकार के पक्ष में है तो राष्ट्रभक्त, यदि विपक्ष में है तो संदिग्ध। इस विभाजन ने सबसे अधिक नुकसान लोकतांत्रिक संवाद को पहुँचाया है। नागरिक अब अपनी बात रखने से पहले यह सोचने को मजबूर है कि उसकी बात का राजनीतिक अर्थ क्या निकाला जाएगा। सवाल यह भी है कि क्या सरकारें केवल चुनावों के दौरान ही जनता के बीच जाती हैं? चुनाव के समय हर वर्ग महत्वपूर्ण होता है—किसान भी, जवान भी, छात्र भी, महिला भी और आदिवासी भी। लेकिन चुनाव समाप्त होते ही संवाद की जगह एकतरफा घोषणाएँ क्यों ले लेती हैं? क्या लोकतंत्र का अर्थ केवल वोट लेना है या फिर लगातार जवाबदेह बने रहना भी है? जंतर-मंतर पर पहुँचे कलाकारों, लेखकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और सार्वजनिक जीवन की हस्तियों को देखकर कुछ लोग इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश करेंगे। यह आसान रास्ता है। कठिन रास्ता यह है कि उनके समर्थन के पीछे छिपे संदेश को समझा जाए। लोकतंत्र में जब समाज के विभिन्न वर्ग किसी मुद्दे पर एक साथ बोलने लगें, तो सत्ता का पहला दायित्व उन्हें सुनना होना चाहिए, न कि उन्हें किसी खेमे में बाँटना। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सरकारें अक्सर अपनी लोकप्रियता को अपनी अचूकता समझ बैठती हैं। चुनावी जीत यह प्रमाण नहीं होती कि हर निर्णय सही है। वह केवल यह प्रमाण होती है कि जनता ने शासन का दायित्व सौंपा है। उस दायित्व के साथ विनम्रता भी आती है। सत्ता का अहंकार और लोकतंत्र का स्वभाव कभी एक साथ नहीं चल सकते। यही कारण है कि जंतर-मंतर से उठती आवाज़ को केवल एक आंदोलन की आवाज़ समझना भूल होगी। यह उस मौन नागरिक की आवाज़ भी है, जो अभी सड़क पर नहीं आया, लेकिन मन ही मन व्यवस्था से सवाल पूछ रहा है। इतिहास बताता है कि जब ऐसे मौन प्रश्न बढ़ने लगते हैं, तब लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती खड़ी होती है—विश्वास का संकट। और किसी भी लोकतंत्र के लिए विश्वास का संकट आर्थिक संकट से कहीं अधिक गंभीर होता है।

इसलिए सरकारों को यह समझना होगा कि विरोध उनका शत्रु नहीं है। विरोध लोकतंत्र का सुरक्षा वाल्व है। यदि उसे बंद कर दिया जाएगा, तो असंतोष भीतर ही भीतर दबाव बनाता रहेगा। समझदार सरकारें विरोध को कुचलती नहीं, सुनती हैं; क्योंकि वे जानती हैं कि संवाद से निकला समाधान हमेशा टकराव से निकले समाधान से अधिक टिकाऊ होता है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी यह नहीं कि उसमें सत्ता बदल सकती है; उसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि उसमें सत्ता को बदला जा सकता है। यह अंतर जितना छोटा दिखता है, उतना ही गहरा है। लोकतंत्र में जनता केवल मतदाता नहीं होती, वह अंतिम निर्णायक होती है। इसलिए जब जनता की आवाज़ को सुनने की जगह उसे समझाने की कोशिश अधिक होने लगे, तब समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ने लगा है। सोनम वांगचुक का अनशन अंततः कब समाप्त होगा, यह समय बताएगा। उनकी माँगें किस सीमा तक स्वीकार होंगी, यह भी सरकार और संबंधित पक्षों के बीच संवाद का विषय है। लेकिन इस आंदोलन ने एक ऐसा सवाल खड़ा कर दिया है, जिसे अब टाला नहीं जा सकता—क्या भारत का लोकतंत्र असहमति को सम्मान देने की अपनी ऐतिहासिक क्षमता खोता जा रहा है?

पिछले कुछ वर्षों में एक प्रवृत्ति लगातार मजबूत हुई है। सत्ता का हर निर्णय राष्ट्रहित और हर विरोध राष्ट्रविरोध के तराजू पर तौला जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र में सरकार और राष्ट्र समानार्थी नहीं होते। सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन राष्ट्र जनता, संविधान और संस्थाओं के सामूहिक विश्वास पर खड़ा रहता है। यदि किसी सरकार की आलोचना को राष्ट्र की आलोचना मान लिया जाए, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे लोकतांत्रिक कम और दरबारी अधिक दिखाई देने लगता है। यही कारण है कि आज आवश्यकता किसी आंदोलन को जीतने या हराने की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद को बचाने की है। सरकार यदि संवाद करती है, तो वह कमजोर नहीं होती; बल्कि उसका नैतिक कद बढ़ता है। इतिहास में वे शासक अधिक सम्मानित हुए हैं जिन्होंने विरोधियों से भी बातचीत की, क्योंकि उन्हें अपने तर्कों और जनता पर भरोसा था। जो सरकारें केवल प्रशंसा सुनना चाहती हैं, वे अंततः अपनी ही बनाई हुई प्रतिध्वनि में कैद हो जाती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने विपक्ष के सामने भी एक दर्पण रखा है। यदि विपक्ष केवल आंदोलनों में उपस्थिति दर्ज कराने तक सीमित रहेगा और वैकल्पिक नीतियाँ प्रस्तुत नहीं करेगा, तो जनता का विश्वास उतनी ही तेजी से उससे भी उठेगा। लोकतंत्र में सत्ता की जवाबदेही जितनी आवश्यक है, उतनी ही विपक्ष की विश्वसनीयता भी। जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है।

मीडिया की भूमिका भी इस बहस में कम महत्वपूर्ण नहीं है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ यदि केवल सत्ता के कैमरों का विस्तार बन जाए या केवल विरोध का मंच बनकर रह जाए, तो उसका मूल दायित्व कमजोर पड़ जाता है। मीडिया का धर्म किसी आंदोलन का प्रवक्ता बनना नहीं, बल्कि उन प्रश्नों को समाज के सामने रखना है जिन्हें सत्ता और विपक्ष दोनों अनदेखा करना चाहते हैं। पत्रकारिता का काम सत्ता की प्रेस विज्ञप्तियाँ पढ़ना नहीं, बल्कि जनता के अनुत्तरित प्रश्नों को सत्ता तक पहुँचाना है।

पर्यावरण के प्रश्न को भी अब भावनात्मक बहस से निकालकर राष्ट्रीय नीति के केंद्र में रखना होगा। हिमालय का संकट केवल लद्दाख का संकट नहीं है। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। पहाड़ों का असंतुलन, ग्लेशियरों का पिघलना, जलस्रोतों का सूखना और अनियंत्रित विकास की कीमत आने वाली पीढ़ियाँ चुकाएँगी। यदि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन नहीं बनाया गया, तो इतिहास हमारी उपलब्धियों से अधिक हमारी लापरवाहियों को याद रखेगा।

आज आवश्यकता यह भी है कि सरकारें यह समझें कि असहमति लोकतंत्र की दुश्मन नहीं, उसकी जीवनरेखा है। संसद में विपक्ष, अदालत में बहस, मीडिया में आलोचना और सड़क पर शांतिपूर्ण आंदोलन—ये चारों मिलकर लोकतंत्र को जीवित रखते हैं। यदि इनमें से किसी एक की आवाज़ भी कमजोर पड़ती है, तो लोकतंत्र का पूरा ढाँचा असंतुलित होने लगता है।

जंतर-मंतर की यह तस्वीर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने सत्ता को नहीं, पूरे समाज को आईना दिखाया है। उसने यह याद दिलाया है कि लोकतंत्र केवल मतदान की मशीन नहीं है; वह संवेदनशीलता, संवाद और जवाबदेही का जीवंत तंत्र है। चुनाव लोकतंत्र की शुरुआत हैं, उसका अंत नहीं। सत्ता को यह याद रखना चाहिए कि जनता का धैर्य असीम नहीं होता। जनता लंबे समय तक इंतजार कर सकती है, लेकिन हमेशा चुप नहीं रह सकती। इतिहास में किसी भी लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा विपक्ष से नहीं, बल्कि उस अहंकार से हुआ है जिसने यह मान लिया कि जनता की याददाश्त कमजोर है। सच यह है कि जनता बहुत कुछ भूल जाती है, लेकिन यह कभी नहीं भूलती कि उसकी बात किसने सुनी और किसने नहीं।

भारत में धर्म और राजनीति को अलग क्यों नहीं देखा गया?

आज के बौद्धिक विमर्शों में एक विचार बार-बार सुनाई देता है, वह है- ßराज्य का कोई धर्म नहीं होना चाहिए। धर्म व्यक्ति का निजी विषय है और राजनीति को उससे अलग रखा जाना चाहिए।ß यह अवधारणा आधुनिक लोकतांत्रिक विमर्श का महत्वपूर्ण हिस्सा है, किंतु क्या यह भारतीय सभ्यता की मूल चेतना से मेल खाती है? यही प्रश्न आज गंभीर चर्चा की मांग करता है। दरअसल, भारतीय और पश्चिमी राजनीतिक दर्शन की आधारभूमि अलग-अलग रही है। भारत में जिस %धर्म% की चर्चा होती है, वह पश्चिम के %रिलीजन% का पर्याय नहीं है। इसी मूलभूत अंतर की अनदेखी ने लंबे समय से वैचारिक भ्रम उत्पन्न किया है।

दीपक कुमार द्विवेदी

भारतीय दर्शन में धर्म का अर्थ किसी विशेष मत, संप्रदाय या पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं है। महर्षि वेदव्यास ने कहा है, ÷धारणाद् धर्ममित्याहुः÷, अर्थात जो समाज और सृष्टि को धारण करे, वही धर्म है। सत्य, न्याय, कर्तव्य, मर्यादा, करुणा और लोककल्याण, ये सभी धर्म के अंग हैं। इसी कारण भारतीय परंपरा में स्वधर्म, राजधर्म, राष्ट्रधर्म और सनातन धर्म जैसी अवधारणाएँ विकसित हुई। यहाँ धर्म व्यक्ति के निजी जीवन से आगे बढ़कर समाज और राज्य की नैतिक दिशा निर्धारित करता है।

सेक्युलरिज्म की उत्पत्ति और भारतीय संदर्भः यूरोप में सेक्युलरिज्म का जन्म चर्च और राजसत्ता के बीच सदियों तक चले संघर्ष की पृष्ठभूमि में हुआ। धार्मिक संस्थाओं के राजनीतिक हस्तक्षेप से उत्पन्न टकराव ने राज्य और चर्च को अलग करने की आवश्यकता पैदा की। भारत का अनुभव इससे बिल्कुल भिन्न रहा। यहाँ राजा स्वयं धर्म के अधीन माना गया। महाभारत से लेकर अर्थशास्त्र और रामायण तक भारतीय ग्रंथों में राजा की शक्ति का स्रोत धर्म और न्याय को माना गया है, न कि उसकी व्यक्तिगत इच्छा को, इसलिए भारतीय चिंतन में राजनीति का उद्देश्य सत्ता नहीं, बल्कि धर्मसम्मत शासन और लोकमंगल रहा है। राजधर्म भारतीय शासन-दर्शन की आत्माः भारतीय इतिहास में आदर्श शासक वही माना गया जिसने राजधर्म का पालन किया। भगवान श्रीराम को %मर्यादा पुरुषोत्तम% इसलिए कहा गया क्योंकि उन्होंने व्यक्तिगत सुख से ऊपर राजधर्म को रखा। महाभारत में भीष्म, विदुर और श्रीकृष्ण बार-बार शासक को धर्माधारित शासन का उपदेश देते हैं। कौटिल्य का अर्थशास्त्र भी स्पष्ट करता है कि राज्य का अस्तित्व केवल शक्ति प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि प्रजा की सुरक्षा, न्याय और समृद्धि के लिए है। यही कारण है कि भारतीय राजनीति में धर्म का अर्थ किसी धार्मिक वर्चस्व से अधिक नैतिक उत्तरदायित्व रहा है।

ऋन्नम् और पुरुषार्थ संतुलित जीवन का दर्शनः वैदिक साहित्य में समस्त सृष्टि एक शाश्वत व्यवस्था के अधीन मानी गई है, जिसे ऋन्नम् कहा गया है। इसी व्यवस्था के अनुरूप मानव जीवन के चार पुरुषार्थ- धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष–निर्धारित किए गए। इनमें धर्म को प्रथम स्थान इसलिए दिया गया क्योंकि वही अर्थ और काम को मर्यादित करता है। यदि समाज से धर्म का नैतिक नियंत्रण समाप्त हो जाए, तो आर्थिक विकास भी स्वार्थ का माध्यम बन सकता है और व्यक्तिगत स्वतंत्रता अराजकता में बदल सकती है। भारतीय दर्शन इसी संतुलन पर बल देता है।

विज्ञान और अध्यात्म विरोध नहीं, समन्वयः भारतीय परंपरा आधुनिक विज्ञान का विरोध नहीं करती, बल्कि ज्ञान के व्यापक स्वरूप को स्वीकार करती है। आधुनिक विज्ञान मुख्यतः भौतिक जगत की व्याख्या करता है, जबकि भारतीय दर्शन चेतना, प्रकृति और ब्रह्मांड के आध्यात्मिक आयामों पर भी विचार करता है। उपनिषदों और भगवद्गीता का संदेश है कि भौतिक प्रगति आवश्यक है, किंतु उसके साथ आत्मबोध और नैतिकता का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। यही कारण है कि भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान और अध्यात्म को परस्पर पूरक माना गया है।

भारतीय आख्यानों को उनके संदर्भ में समझने की आवश्यकताः भारतीय महाकाव्यों और पुराणों की अनेक कथाओं को केवल आधुनिक वैज्ञानिक कसौटी पर परखने से उनके सांस्कृतिक और दार्शनिक अर्थ छूट जाते हैं। परंपरागत आचार्यों ने इन प्रसंगों को प्रतीकात्मक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदर्भों में समझाया है। भारतीय ज्ञान परंपरा का आग्रह है कि किसी भी ग्रंथ का मूल्यांकन उसकी अपनी दार्शनिक पृष्ठभूमि में किया जाए, न कि केवल आधुनिक पश्चिमी दृष्टिकोण से। आज भारत तीव्र वैश्वीकरण, तकनीकी परिवर्तन और सांस्कृतिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है। परिवार व्यवस्था, सामाजिक मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान पर नए प्रश्न खड़े हो रहे हैं। धर्मांतरण, सांस्कृतिक अस्मिता, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और सामाजिक समरसता जैसे विषय सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। इन विषयों पर विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक दृष्टिकोण हो सकते हैं, किंतु एक बात निर्विवाद है कि किसी भी राष्ट्र की दीर्घकालिक स्थिरता उसके सांस्कृतिक आत्मविश्वास, नैतिक मूल्यों और सामाजिक एकता पर निर्भर करती है। धर्म का वास्तविक अर्थ = कर्तव्य और उत्तरदायित्वः भारतीय संस्कृति में धर्म का अर्थ केवल मंदिर जाना या धार्मिक अनुष्ठान करना नहीं है। माता-पिता की सेवा, सत्य का पालन, राष्ट्र के प्रति निष्ठा, समाज के प्रति उत्तरदायित्व और दुर्बलों की रक्षा भी धर्म के ही स्वरूप हैं। महाराणा प्रताप का संघर्ष, राजा दिलीप का त्याग, आदि शंकराचार्य का राष्ट्रव्यापी सांस्कृतिक अभियान और भगवान श्रीराम का आदर्श शासन, इन सबमें धर्म जीवन-मूल्यों के रूप में प्रकट होता है, किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान के रूप में नहीं। कुल निष्कर्ष रूप में कहें तो भारत में धर्म और राजनीति को कभी दो विरोधी संस्थाएं नहीं माना गया। भारतीय राजनीतिक दर्शन का मूल सिद्धांत यह रहा कि राजसत्ता धर्म अर्थात न्याय, मर्यादा और लोककल्याण के अधीन रहे। यही राजधर्म भारतीय राज्य-चिंतन की आत्मा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि धर्म और रिलीजन के बीच के अंतर को समझा जाए तथा भारतीय सभ्यता की अवधारणाओं का मूल्यांकन उसकी अपनी वैचारिक पृष्ठभूमि में किया जाए। आधुनिक लोकतांत्रिक मूल्यों और भारतीय सांस्कृतिक दर्शन के बीच संतुलन स्थापित करके ही ऐसा समाज निर्मित किया जा सकता है, जो प्रगतिशील भी हो और अपनी सभ्यतागत जड़ों से जुड़ा भी रहे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से छात्राओं को मिली नई उड़ान, करियर काउंसलिंग ने दिखाया उज्ज्वल भविष्य का मार्ग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के शासकीय हाई स्कूल चनवारीडांड में आयोजित करियर काउंसलिंग सत्र ने छात्राओं के भविष्य को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य किया। भारत सरकार की महत्वाकां 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ ' योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार तथा रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना था। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने छात्राओं को बदलते समय की मांग के अनुरूप करियर विकल्पों, सरकारी योजनाओं और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं यह कार्यक्रम कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े के निर्देश तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन) मिशन शक्ति की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा ने किया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया और विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपने भविष्य को लेकर जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया करियर काउंसलिंग सत्र के दौरान छात्राओं को उनकी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुरूप विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी गई उन्हें बताया गया कि वर्तमान समय में केवल शैक्षणिक डिग्री ही नहीं बल्कि कौशल विकास भी सफलता की कुंजी है। विशेषज्ञों ने छात्राओं को उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षाओं, सरकारी सेवाओं और स्वरोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी कार्यक्रम के दौरान इस बात पर विशेष बल दिया गया कि यदि छात्राएं सही समय पर अपने लक्ष्य निर्धारित करें और उसी दिशा में निरंतर मेहनत करें तो वे किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं। उन्हें यह भी समझाया गया कि बदलते दौर में नई तकनीकों और कौशलों को सीखना आवश्यक है जिससे वे रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। कैरियर मार्गदर्शन के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी छात्राओं को दी गई। विशेषज्ञों ने नोनी सुरक्षा योजना, सक्षम योजना, सखी निवास, शक्ति सदन, नारी अदालत, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा नवा बिहान योजना जैसी योजनाओं के उद्देश्य और उनके लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। छात्राओं को यह जानकारी दी गई कि शासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं जिनका लाभ उठाकर वे अपने जीवन को बेहतर बना सकती हैं। कार्यक्रम में जिला महिला सशक्तिकरण केन्द्र की सुशैलजा गुप्ता, जेंडर विशेषज्ञ ने छात्राओं को लैंगिक समानता, महिला अधिकारों तथा आत्मविश्वास के महत्व पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया उन्होंने कहा कि आज के समय में लड़कियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं और समाज में अपनी अलग पहचान बना रही हैं उन्होंने छात्राओं को रूढ़िवादी सोच से ऊपर उठकर अपने सपनों को साकार करने का संदेश दिया वित्तीय साक्षरता समन्वयक अनीता कुमारी साह ने छात्राओं को बचत की आदत, बैंकिंग सेवाओं का उपयोग, डिजिटल भुगतान तथा वित्तीय प्रबंधन की जानकारी दी उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से जागरूक होना प्रत्येक छात्रा के लिए आवश्यक है क्योंकि वित्तीय साक्षरता आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी है।

बिहान योजना से बदली रीता मिंज की किस्मत, 'मिंज बस ट्रांसपोर्ट' बनी महिला

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्व-सहायता समूह से जुड़कर शुरू किया परिवहन व्यवसाय, आज हर महीने 80 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर अन्य महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी), 16 जुलाई छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की सहायता से मनेंद्रगढ़ विकासखंड के ग्राम चनवारीडांड की रीता मिंज ने संघर्ष से सफलता तक का प्रेरक सफर तय किया है कभी आर्थिक तंगी और सीमित संसाधनों से जूझने वाली रीता मिंज आज अपने 'मिंज बस ट्रांसपोर्ट' व्यवसाय के माध्यम से न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए सशक्तिकरण की मिसाल भी बन गई हैं रीता मिंज वर्ष 2017 में गठित वसुंधरा महिला स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बिहान मिशन के तहत प्रशिक्षण, वित्तीय साक्षरता और व्यवसाय संचालन का मार्गदर्शन मिला इसी दौरान उन्होंने स्वरोजगार अपनाने का निर्णय लिया और परिवहन व्यवसाय शुरू करने की योजना बनाई बिहान योजना के अंतर्गत समूह को पहले 15 हजार रुपये का रिवॉल्विंग फंड (आरएफ), इसके बाद 60 हजार रुपये की सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) तथा 3 लाख रुपये का बैंक ऋण उपलब्ध कराया गया इन वित्तीय संसाधनों के साथ रीता मिंज ने स्वयं भी निवेश किया और लगभग 1.40 लाख रुपये की प्रारंभिक पूंजी से 'मिंज बस ट्रांसपोर्ट' की शुरुआत की। उनकी मेहनत और लगन ने इस छोटे से प्रयास को सफल व्यवसाय में बदल दिया आज रीता मिंज का परिवहन व्यवसाय सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है और इससे उन्हें प्रतिमाह लगभग 80 हजार रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है व्यवसाय की सफलता से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। अब उन्हें दैनिक जरूरतों या व्यवसाय के विस्तार के लिए साहूकारों से कर्ज लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

बीएड कॉलेज मनेन्द्रगढ़ में जनसंख्या स्थिरता पर उन्मुखीकरण कार्यशाला, उत्कृष्ट विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के तहत गुरुवार को बीएड कॉलेज मनेन्द्रगढ़ में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य भावी शिक्षकों को जनसंख्या स्थिरता, परिवार नियोजन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे भविष्य में समाज को स्वास्थ्य संबंधी सकारात्मक संदेश देने में प्रभावी भूमिका निभा सकें कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिशिर जायसवाल, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के नोडल अधिकारी डॉ. अतीक सोनी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर के जिला नोडल अधिकारी अवनीश पाण्डेय तथा खंड प्रशिक्षण विस्तार अधिकारी (बीईटीओ) प्रमेंद सिंह ने विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा देने तक सीमित नहीं होते बल्कि समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव के महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। ऐसे में बीएड के विद्यार्थी भविष्य के शिक्षक होने के नाते जनसंख्या स्थिरता, स्वस्थ परिवार, परिवार नियोजन और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे विषयों को समाज तक प्रभावी ढंग से पहुंचा सकते हैं कार्यशाला के दौरान छात्र-छात्राओं को परिवार नियोजन के स्थायी एवं अस्थायी साधनों, बढ़ती जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों तथा जनसंख्या स्थिरता की आवश्यकता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके अलावा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और जिम्मेदार नागरिक के रूप में युवाओं की भूमिका पर भी विशेषज्ञों ने विस्तार से चर्चा की विद्यार्थियों को व्यवहारिक उदाहरणों और संवादात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं कार्यक्रम को अधिक रोचक और सहभागितापूर्ण बनाने के लिए विषय आधारित प्रश्नोत्तरी, संवाद सत्र और अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जनसंख्या स्थिरता, परिवार नियोजन और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

एमसीबी में छात्रावासों की व्यवस्था होगी और मजबूत, कलेक्टर ने रिक्त संस्थानों के लिए अतिरिक्त अधीक्षक किए नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों एवं आश्रमों में विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय, शैक्षणिक एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम उठाया है। कलेक्टर (आदिवासी विकास) एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े ने उन छात्रावासों और आश्रमों के लिए वैकल्पिक पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं जहां अधीक्षकों के पद रिक्त हैं या पूर्णकालिक अधीक्षक उपलब्ध नहीं हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का स्थानांतरण नहीं है। यह केवल प्रशासनिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए की गई अस्थायी वैकल्पिक व्यवस्था है इसके तहत संबंधित अधिकारी अपनी मूल पदस्थ संस्था में कार्य करते हुए अतिरिक्त रूप से दूसरे छात्रावास अथवा आश्रम के अधीक्षक का दायित्व भी संभालेंगे उनके वेतन एवं अन्य भत्तों का भुगतान पूर्ववत उनकी मूल संस्था से ही किया जाएगा यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक लागू रहेगी। जारी आदेश के अनुसार, कु. ज्योति खटकर, छात्रावास अधीक्षक श्रेणी 'स', आदिवासी कन्या आश्रम खड़गवां को अतिरिक्त रूप से आदिवासी प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास उधनापुर, विकासखंड खड़गवां का प्रभार सौंपा गया है। इसी तरह उत्तम कुमार कश्यप, छात्रावास अधीक्षक श्रेणी 'स', आदिवासी पोस्ट-मैट्रिक बालक छात्रावास खड़गवां को आदिवासी प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास बहरासी, विकासखंड भरतपुर का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। इसके अलावा कु. जैस्मिन वैश्य, छात्रावास अधीक्षक श्रेणी 'स', आदिवासी कन्या आश्रम भरतपुर को आदिवासी पोस्ट-मैट्रिक कन्या छात्रावास भरतपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं वंदना सिंह, छात्रावास अधीक्षक श्रेणी 'स', आदिवासी पोस्ट-मैट्रिक कन्या छात्रावास मनेन्द्रगढ़ को आदिवासी प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास मनेन्द्रगढ़ का अतिरिक्त दायित्व दिया गया है। लेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य छात्रावासों एवं आश्रमों में प्रशासनिक निगरानी को सुदृढ़ करना, अनुशासन बनाए रखना, विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा सभी आवश्यक सुविधाओं की नियमित उपलब्धता बनाए रखना है उन्होंने बताया कि जिन संस्थानों में अधीक्षकों के पद रिक्त हैं, वहां प्रशासनिक कार्य प्रभावित न हों और छात्रावासों का संचालन बिना किसी बाधा के जारी रहे इसे ध्यान में रखते हुए निकटवर्ती एवं प्रशासनिक दृष्टि से उपयुक्त अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है जिला प्रशासन का मानना है कि इस निर्णय से छात्रावासों एवं आश्रमों के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी साथ ही विद्यार्थियों को नियमित निगरानी, बेहतर प्रबंधन और समय पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे उनके अध्ययन और समग्र विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा।

एमसीबी में 27 शिक्षकों-कर्मचारियों को छात्रावासों की अतिरिक्त जिम्मेदारी, पूर्णकालिक अधीक्षकों की कमी दूर करने कलेक्टर का बड़ा फैसला

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों एवं आश्रमों में पूर्णकालिक अधीक्षकों की कमी को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लिया है जारी आदेश के तहत जिले के 27 शिक्षकों एवं कर्मचारियों को उनके मूल पद पर कार्य करते हुए निकटवर्ती छात्रावासों एवं आश्रमों के अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है और आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगी कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि यह किसी भी कर्मचारी का स्थानांतरण नहीं है बल्कि छात्रावासों एवं आश्रमों के सुचारु संचालन के लिए की गई वैकल्पिक प्रशासनिक व्यवस्था है जिन संस्थानों में अधीक्षक के पद रिक्त हैं अथवा पूर्णकालिक अधीक्षक उपलब्ध नहीं हैं वहां विद्यार्थियों की सुरक्षा, अनुशासन, नियमित निगरानी और आवश्यक व्यवस्थाओं को प्रभावित होने से बचाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है इसके लिए निकटवर्ती विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश के अनुसार सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी मूल संस्था में पूर्ववत शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे इसके साथ ही वे संबंधित छात्रावास अथवा आश्रम के अधीक्षक के रूप में भी कार्य करेंगे उनके वेतन एवं भत्तों का भुगतान उनकी मूल पदस्थ संस्था से ही होगा साथ ही उन्हें अधीक्षक आवास में निवास करते हुए छात्रावास की व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी और संचालन सुनिश्चित करना होगा। विकासखंडवार जारी आदेश के अनुसार खड़गवां, भरतपुर और मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र के विभिन्न छात्रावासों एवं आश्रमों के लिए अतिरिक्त प्रभार सौंपे गए हैं खड़गवां विकासखंड में चार अधिकारियों को, भरतपुर विकासखंड में सबसे अधिक 12 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तथा मनेन्द्रगढ़ विकासखंड में नौ अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है इसके अलावा नौड़िया स्थित विशेष पिछड़ी जनजाति (बैगा) आवासीय विद्यालय के बालक एवं बालिका छात्रावासों के संचालन की जिम्मेदारी भी दो अधिकारियों को सौंपी गई है कलेक्टर सुसंतन देवी जांगड़े ने कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य छात्रावासों एवं आश्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सुरक्षित, अनुशासित एवं गुणवत्तापूर्ण आवासीय वातावरण उपलब्ध कराना है उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को समय पर भोजन, नियमित अध्ययन, स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं निर्बाध रूप से मिलती रहें, इसके लिए यह वैकल्पिक व्यवस्था लागू की गई है। साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सौंपे गए अतिरिक्त दायित्वों का पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व के साथ निर्वहन करें।

आत्मनिर्भर खेती को बढ़ावा : सगरा और रापा के किसानों को नि:शुल्क मिले उन्नत बीज, कृषि योजनाओं की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने, दलहन एवं तिलहन उत्पादन में वृद्धि करने तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत सगरा और रापा में विशेष बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम के तहत आत्मनिर्भर दलहन योजना एवं जैविक खेती मिशन के अंतर्गत पात्र किसानों को उन्नत गुणवत्ता वाले उड़द, अरहर, तिल एवं जीराफूल धान के बीज नि:शुल्क वितरित किए गए इस पहल से किसानों को खरीफ सीजन की खेती के लिए समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध हुए, जिससे उत्पादन बढ़ाने और खेती की लागत कम करने में सहायता मिलेगी ग्राम पंचायत सगरा में आयोजित कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्नत किस्म के बीजों के महत्व पर प्रकाश डाला। अधिकारियों ने बताया कि प्रमाणित एवं गुणवत्तायुक्त बीजों का उपयोग करने से फसलों की उत्पादकता बढ़ती है रोगों का प्रकोप कम होता है और किसानों की आय में सकारात्मक वृद्धि होती है साथ ही किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि मिट्टी की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहे और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले इसी प्रकार ग्राम पंचायत रापा में भी बड़ी संख्या में किसानों को अरहर, उड़द, तिल एवं जीराफूल धान के बीज वितरित किए गए इस दौरान कृषि अधिकारियों ने किसानों को कृषक उन्नति योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की विस्तृत जानकारी दी किसानों को समय पर फसल बीमा कराने, प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से सुरक्षा प्राप्त करने तथा शासन द्वारा संचालित कृषि योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया कार्यक्रम के दौरान खरीफ फसलों की तैयारी, बीज उपचार, संतुलित उर्वरकों के उपयोग, जल संरक्षण, जैविक खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों पर भी विस्तार से चर्चा की गई अधिकारियों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए वैज्ञानिक पद्धति से खेती अपनाने की सलाह दी, जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सगरा एवं रापा के सरपंच, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे किसानों ने कृषि विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय पर नि:शुल्क गुणवत्तायुक्त बीज मिलने से खरीफ फसल की तैयारी आसान हुई है।

कृषक उन्नति योजना से बदल रही खेती की तस्वीर, दलहन-तिलहन की खेती को बढ़ावा देने चयनित किसानों को मिल रहे उन्नत बीज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांकृषक उन्नति योजना जिले के किसानों के लिए खेती में बदलाव और आय बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बनती जा रही है। योजना के तहत विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में फसल विविधीकरण (क्रॉप डायवर्सिफिकेशन) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चयनित किसानों को दलहन एवं तिलहन फसलों के उन्नत बीजों का वितरण किया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा गांव-गांव पहुंचकर किसानों को पारंपरिक धान की खेती के साथ वैकल्पिक एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इससे न केवल खेती की लागत कम होगी बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ किसानों की आय बढ़ाने का भी मार्ग प्रशस्त होगा कृषक उन्नति योजना का प्रमुख उद्देश्य किसानों को एक ही फसल पर निर्भर रहने के बजाय फसल विविधीकरण अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है धान के साथ-साथ दलहन एवं तिलहन जैसी कम पानी और कम लागत वाली फसलों की खेती से किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहती है। साथ ही इससे भूमि की उर्वरता बनी रहती है जल संरक्षण को बढ़ावा मिलता है और कृषि अधिक टिकाऊ बनती है बदलते मौसम और जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए भी यह पहल किसानों के लिए काफी लाभकारी मानी जा रही है योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मनेन्द्रगढ़ रवि कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कृषि विभाग की टीम लगातार गांवों का भ्रमण कर रही है क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी किसानों से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें योजना की जानकारी दे रहे हैं। चयनित कृषकों को गुणवत्तापूर्ण एवं उन्नत किस्म के दलहन और तिलहन बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिससे वे समय पर बुवाई कर बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें कृषि विभाग के अधिकारी किसानों को केवल बीज वितरण तक सीमित नहीं रख रहे हैं, बल्कि उन्हें आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की संपूर्ण जानकारी भी उपलब्ध करा रहे हैं। किसानों को फसल परिवर्तन की प्रक्रिया, उन्नत बीजों के उपयोग, वैज्ञानिक बुवाई पद्धति, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा कटाई के बाद फसल प्रबंधन की तकनीकों के बारे में विस्तार से समझाया जा रहा है अधिकारियों का कहना है कि यदि किसान वैज्ञानिक सलाह के अनुसार खेती करेंगे तो उत्पादन बढ़ेगा और उनकी लागत में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।

कच्चे घर से पक्के आशियाने तक : प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली रामसाय बैगा की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कभी बारिश के मौसम में टपकती छत और कच्ची दीवारों के बीच जीवन बिताने को मजबूर ग्राम पंचायत देवगढ़ के वार्ड क्रमांक-1 सालारपारा निवासी रामसाय बैगा का जीवन आज पूरी तरह बदल चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएम जनमन) के तहत मिले पक्के आवास ने उन्हें केवल एक सुरक्षित घर ही नहीं दिया, बल्कि सम्मान, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद भी प्रदान की है वर्षों तक कठिन परिस्थितियों में जीवन व्यतीत करने वाले रामसाय का सपना अब साकार हो गया है जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रभाव लगातार दिखाई दे रहा है मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन तथा जिला प्रशासन की सतत निगरानी के चलते पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ तेजी से पहुंचाया जा रहा है कलेक्टर के निर्देशन में जनपद पंचायत भरतपुर द्वारा समय-समय पर शिविर एवं विशेष अभियान आयोजित कर पात्र परिवारों को योजना से जोड़ने और आवास निर्माण समय पर पूरा कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं इन प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से नजर आने लगा है इन्हीं प्रयासों के तहत आर्थिक रूप से कमजोर बैगा परिवार से आने वाले रामसाय बैगा को ग्राम पंचायत देवगढ़ की पहल पर प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत आवास की स्वीकृति मिली। योजना की राशि प्राप्त होने के बाद उन्होंने पूरे उत्साह और मेहनत के साथ मात्र छह से सात माह के भीतर अपना पक्का घर तैयार कर लिया।

कूरियर फ्रैंचाइसी के नाम पर एक लाख की ठगी रतलाम में ऑनलाइन एग्रीमेंट कर रकम ली ऑफिस नहीं खुला; साइबर फ्रॉड का केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम में कूरियर ऑफिस की फ्रैंचाइसी खोलने के नाम पर एक लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने ऑनलाइन कंपनी का विज्ञापन देख संपर्क किया। पीड़ित ने ऑफिस के लिए सामान भी खरीद लिया। कंपनी द्वारा चार बार में बैंक खाते में कुल 1 लाख रुपए जमा करा लिए। एग्रीमेंट भी करवा लिया। लेकिन रुपए लेने के बाद ना तो कंपनी ने संपर्क किया और नहीं कोई ऑफिस खुल पाया। मामला थाना औद्योगिक क्षेत्र का है। सखवाल नगर निवासी भारत (27) पिता कालूराम राठौड़ की शिकायत पर पुलिस ने बुधवार देर शाम सायबर फ्रॉड के तहत अज्ञात के खिलाफ धारा 318(2) 319 (4) केस दर्ज किया है।

ऑनलाइन विज्ञापन देख किया संपर्क: पीड़ित ने रिपोर्ट में बताया कि मैंने ऑनलाइन 21 अगस्त 2025 को AIRE PIN-CODEDAK LOGITICS PRIVETE LIMITED द्वारा संचालित कंपनी का विज्ञापन देखा। कंपनी के बताए गए मोबाइल नंबर पर कॉन्टेक्ट कर कंपनी की जिला स्तर पर फ्रैंचाइसी (कूरियर ऑफिस) खोलने की बात कही। कंपनी द्वारा बताए डिपोजिट राशि जमा कराने को कहा। संबंधित ने यश बैंक अकाउंट नम्बर देकर पूरी डिटेल उपलब्ध कराई। विश्वास करके उक्त अकाउंट पर आवेदक भारत ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया रेल्वे कॉलोनी रतलाम के खाते से 50 हजार, 40 हजार, 7500 व 2500 रुपए चार बार में कुल एक लाख रुपए जमा कंपनी के खाते में जमा कराए। रुपए जमा करने पर आवेदक को एक एग्रीमेंट शेयर किया गया। आवेदक भारत द्वारा एग्रीमेंट साईन कर वापस मेल कर कंपनी ने PINCODEDAK का आईडी पासवर्ड भेजा। कंपनी द्वारा बताए अनुसार जिला स्तर पर वेयर हाउस (कूरियर ऑफिस) के संचालन से संबंधित सारी सामग्री खरीदने को कहा। आवेदक ?द्वारा सारी सामग्री खरीद ली।

4 माह तक किया इंतजार: रुपए जमा कराने व सारी प्रकिया करने के 4 माह के बाद भी AIRE PINCODEDAK LOGITICS PRIVETE LIMITED कंपनी से कोई पार्सल नहीं आया। ना ही कोई वेयर हाउस का संचालन के लिए 25 हजार रुपए आए। तब कंपनी में संपर्क किया तो कंपनी द्वारा मेल कर कंपनी बंद करना बताया। जमा कराए एक लाख रुपए व सामान रख रखाव का चार्ज वापस लौटाने को कहा तो कंपनी ने कोई रिस्पांस नहीं दिया। पूरा घटनाक्रम 21 अगस्त 2025 से लेकर 28 जून 2026 के बीच का है।

1930 पर की : पीड़ित को अपने साथ धोखाधड़ी का एहसास होने पर 26 जून को नेशनल सिक्युरिटी नंबर सायबर 1930 पर शिकायत की। भोपाल सायबर सेल में शिकायत दर्ज हुई। वहां से रतलाम औद्योगिक थाने पर शिकायत फॉरवर्ड की गई। इसके बाद पुलिस ने 15 जुलाई को पीड़ित द्वारा बताए गए मोबाइल धारक के खिलाफ केस दर्ज किया। थाना औद्योगिक प्रभारी गायत्री सोनी ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। संबंधित मोबाइल नंबर के आधार पर जांच की जा रही है।

इटारसी में दो बदमाशों का युवक पर चाकू से हमला पुरानी रंजिश के चलते युवक की मौत; 5 दिन पहले मनाया था जन्मदिन

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में पुरानी रंजिश के चलते बुधवार रात दो बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में घायल अनिकेत उर्फ पवन भदौरिया की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना रात करीब 8:30 बजे शहर के विश्वनाथ टॉकीज के पास हुई। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। विश्वनाथ टॉकीज के पास घेरकर किए कई वार पुलिस के मुताबिक, बदमाश शुभम यादव उर्फ राजा और हशीब खान उर्फ आशू इटारसी के रहने वाले हैं। दोनों की पवन भदौरिया से पुरानी रंजिश थी। बुधवार रात पवन विश्वनाथ टॉकीज के पास था। इसी दौरान दोनों आरोपियों ने उसे घेर लिया और जान से मारने की नीयत से चाकू से कई वार किए। घायल पवन को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक सीने में गहरा चाकू लगने से उसके हृदय को चोट आई थी। इसके अलावा सिर और दोनों हाथों पर भी चाकू के घाव थे। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पांच दिन पहले मनाया था जन्मदिन परिजनों के मुताबिक, पवन का जन्मदिन चार-पांच दिन पहले ही मनाया गया था। उसकी दो माह की एक बेटी है। युवक की मौत से परिवार में शोक का माहौल है। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने शुभम यादव उर्फ राजा और हशीब खान उर्फ आशू के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। अस्पताल में तैनात रहा भारी पुलिस बल वारदात की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।शहर में लगातार हो रही चाकूबाजी की घटनाओं के बीच इस हत्या के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एसपी साई कृष्ण एस. थोटा के भी इटारसी पहुंचने की संभावना है।

टीबी की बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए आमजन में जागरूकता लाना जरूरी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि टीबी की बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए आमजन में जागरूकता लाना बहुत जरूरी है। इसके लिए ग्राम पंचायतों के सरपंच महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकते हैं। टीबी रोग किन कारणों से होता है और इनसे कैसे बचाव करें? यह जानकारी लोगों तक पहुंचना जरूरी है। टीबी रोग के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता रहेगी, तो पंचायत स्वतः टीबी रोग मुक्त हो जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि टीबी का समय पर पता चल जाये और इसका पूरा उपचार हो जाए तो, यह पूरी तरह से रोकथाम और उपचार योग्य रोग है। टीबी को छुपाएं नहीं और न कोई भी व्यक्ति इसे बताने में संकोच न करे। सरकार इस बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए निःशुल्क सुविधा प्रदान करती है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अब 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को टीबी की वैक्सीन लगायी जा रही है। टीबी मरीजों के उपचार, स्वास्थ्य और पोषण की व्यवस्था के साथ जन-जागरुकता के लिए व्यापक प्रचार- प्रचार किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

खरगोन में बारिश की बेरुखी से बढ़ी किसानों की चिंता मुरझा रहीं मक्का-सोयाबीन की फसलें; 25 जुलाई तक बारिश की संभावना

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में पिछले एक सप्ताह से बारिश नहीं होने के कारण खरीफ फसलों पर संकट गहराने लगा है। शुरुआती अच्छी बारिश के बाद मानसून की रफ्तार थमने से मक्का और सोयाबीन की फसलें मुरझाने लगी हैं, जबकि कई खेतों में दरारें पड़ गई हैं। लगातार बढ़ते तापमान और घटती नमी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने 25 जुलाई तक बारिश की संभावना जताई है, जिससे किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है। बारिश थमने से फसलों की बढ़वार पर असर जिले में पिछले सात दिनों से अच्छी बारिश नहीं हुई है। इसका सीधा असर खरीफ फसलों पर दिखाई देने लगा है। खेतों में नमी कम होने से मक्का और सोयाबीन की फसलें दोपहर के समय मुरझाने लगी हैं। किसानों का कहना है कि यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो उत्पादन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

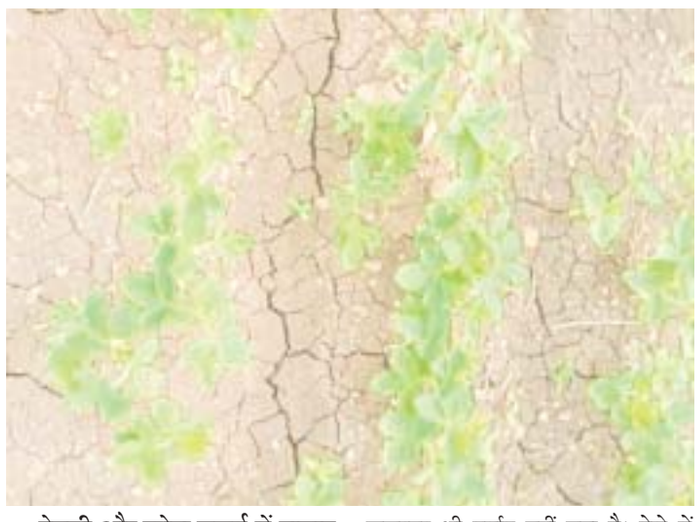

देवली और कोठा बुजुर्ग में हालात ज्यादा गंभीर: देवली और कोठा बुजुर्ग सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति अधिक चिंताजनक है। यहां सिंचाई के लिए नहरों की सुविधा नहीं है और कुओं का जलस्तर भी पर्याप्त नहीं बढ़ा है। ऐसे में किसान पूरी तरह बारिश पर निर्भर हैं। किसान दशरथ राठौड़, गिरधारी राठौड़, सौभाग गेहलोद और दीपक कुशवाह ने बताया कि शुरुआती बारिश से अच्छी फसल की उम्मीद जगी थी, लेकिन अब लगातार बारिश नहीं होने से फसलों की बढ़वार प्रभावित हो रही है। खेतों में पड़ने लगी दरारें, बढ़ी नुकसान की आशंका बारिश नहीं होने से कई खेतों की मिट्टी सूखने लगी है और दरारें दिखाई देने लगी हैं। किसानों का कहना है कि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो खरीफ फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। खेती के साथ मजदूरों की रोजी-रोटी भी प्रभावित बारिश की कमी का असर खेतिहर मजदूरों पर भी पड़ने लगा है। मजदूर गोरेलाल ने बताया कि खेतों में काम कम होने से उनकी मजदूरी 200 रुपये प्रतिदिन से घटकर 150 रुपये रह गई है। इससे ग्रामीण परिवारों की आय पर भी असर पड़ रहा है। चार डिग्री बढ़ा तापमान, तेजी से घट रही नमी पिछले एक सप्ताह में जिले के अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछली बारिश के दौरान तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस था, जो अब बढ़कर 31.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। बढ़ती गर्मी और उमस के कारण मिट्टी की नमी तेजी से कम हो रही है। 25 जुलाई तक बारिश की उम्मीद मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बन रहा मौसम तंत्र मजबूत होने पर 25 जुलाई तक जिले में अच्छी बारिश होने की संभावना है। यदि पूर्वानुमान सही साबित होता है तो किसानों को बड़ी राहत मिल सकती है और खरीफ फसलों को भी संजीवनी मिलेगी। अब तक सामान्य से अधिक बारिश जिला भू-अभिलेख कार्यालय के अनुसार, जिले में अब तक 10.1 इंच औसत बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में हुई 8.3 इंच बारिश से लगभग 2 इंच अधिक है। हालांकि पिछले एक सप्ताह से बारिश थमने के कारण खेतों में नमी तेजी से कम हो रही है। जिले की वार्षिक औसत वर्षा 32.6 इंच मानी जाती है।

शुद्ध जल का करें उपयोग, जलजनित रोगों से स्वयं को रखें सुरक्षित स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। वर्षा ऋतु में होने वाली जलजनित बीमारियों के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और दूषित जल से होने वाले रोगों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ अपनाएँ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुद्ध जल का उपयोग करने एवं जलजनित रोगों से सुरक्षा के लिए सलाह दी गई है। दूषित पानी के सेवन से उल्टी-दस्त, पेचिश, हैजा, पीलिया और टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियाँ होने की संभावना बढ़ जाती है। एडवाइजरी में कहा गया है कि रोगों से बचने के लिए सावधानियाँ और सुरक्षा उपाय अपनाकर स्वयं एवं परिवार को सुरक्षित करें। स्वास्थ्य विभाग एडवाइजरी में कहा है कि खानपान के लिए सदैव स्वच्छ एवं सुरक्षित उबला अथवा फिल्टर जल का ही प्रयोग करें। यदि पानी की शुद्धता संदिग्ध हो, तो उसे पहले उबालें, साफ कपड़े से छानें अथवा क्लोरीन की गोली डालें और कम से कम एक घंटे के बाद उसका सेवन करें। खाना बनाने, परोसने और खाने से पहले तथा शौच के बाद हाथों को साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोना अत्यंत आवश्यक है। यह सरल आदत कई रोगों से बचाव में सहायक होती है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि सदैव ताजा पका हुआ भोजन एवं स्वच्छ खाद्य वस्तुओं का ही सेवन करें। अधिक समय पहले बना हुआ यात्री बासी भोजन न खाएं। भोजन एवं खाद्य सामग्री को पूरी तरह ढंककर रखें जिससे उन्हें मक्खियों, धूल अथवा अन्य गंदगी से दूषित होने से बचाया जा सके। बाजार में खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों, कटे हुए फलों और ठंडे पेयों का सेवन न करें ये अक्सर संक्रमण के वाहक होते हैं। फल एवं सब्जियाँ स्वच्छ पानी से धोने के बाद ही उपयोग में लाएं और उन्हें काटने के लिये स्वच्छ, ढंका हुआ चाकू प्रयोग करें।

बैतूल में तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर 60 वर्षीय महिला वे अस्पताल में तोड़ा दम,पति समेत दो घायल

मीडिया ऑडीटर, बैतूल (निप्र)। बैतूल के भारत भारती फोरलेन पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 60 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसके पति समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। खाटू श्याम जाने निकले थे, लौटते समय हुआ हादसा पुलिस के अनुसार चिखली रैयत निवासी सकून यादव (60), उनके पति सदाराम यादव और कमलेश यादव खाटू श्याम जाने के लिए बैतूल रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। किसी कारणवश उनकी यात्रा नहीं हो सकी, जिसके बाद तीनों एक ही बाइक से गांव लौट रहे थे। पीछे से कार ने मारी जोरदार टक्कर सुबह करीब 6 से 7 बजे के बीच भारत भारती फोरलेन पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में महिला ने तोड़ा दम हादसे के बाद राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान सकून यादव की मौत हो गई, जबकि सदाराम यादव और कमलेश यादव का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

कार चालक की तलाश में जुटी पुलिस: पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में प्रकरण दर्ज कर फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

रैम्प योजना के अंतर्गत दो दिवसीय एमएसएमई कंपोजिट कार्यशाला का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, उमरिया (निप्र)। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) एवं विश्व बैंक समर्थित रैम्प योजना के अंतर्गत जिला उमरिया में दो दिवसीय एमएसएमई कंपोजिट कार्यशाला का शुभारंभ होटल रॉयल आनंद, उमरिया में किया गया 15 एवं 16 जुलाई 2026 को आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य जिले के युवा उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों (एमएसएमई), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) तथा उद्यम स्थापना में रुचि रखने वाले लोगों को शासन की विभिन्न योजनाओं, नीतियों एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को उद्यम स्थापना, व्यवसाय विस्तार, वित्तीय सहायता, तकनीकी सुविधाओं एवं बाजार से जुड़ने के अवसरों के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है कार्यक्रम में जिले के उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यशाला के प्रथम दिवस में मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति, मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति, रैम्प योजना, जेड प्रमाणन, वित्तीय जागरूकता, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) एवं जीआई टैगिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को उद्यम संचालन में आवश्यक प्रक्रियाओं, उपलब्ध सुविधाओं तथा शासन द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहनों के बारे में बताया इस अवसर पर जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, उमरिया के महाप्रबंधक दिनेश कुमार मारसकोले उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम मंगलम इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के मैनेजर की मौत

रेलवे ट्रैक पर क्षत-विक्षत अवस्था में मिला शव, मोबाइल सिम से पहचान

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के रसूलिया रेलवे ट्रैक ब्रिज के नीचे बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के मैनेजर का क्षत-विक्षत शव मिला है। सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव के बिखरे अंगों को एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान इटारसी निवासी विपुल दुबे (30) के रूप में हुई है। पुलिस फिलहाल मामले को प्रथम दृष्टया ट्रेन की चपेट में आने का मामला मान रही है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, विपुल दुबे पिता सुदर्शन दुबे इटारसी के गांधीनगर क्षेत्र के रहने वाले थे। वह नर्मदापुरम के रसूलिया स्थित मंगलम इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे और प्रतिदिन इटारसी से बस के जरिए आना-जाना करते थे। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मंगलवार रात शोरूम से निकलने के बाद वह रसूलिया ब्रिज के नीचे डबल फाटक पार कर बस पकड़ने जा रहे थे। इसी दौरान किसी ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। घटना मंगलवार देर रात की बताई जा रही है, जबकि बुधवार सुबह रेलवे ट्रैक पर शव मिलने के बाद मामला सामने आया। मोबाइल और सिम से हुई पहचान घटनास्थल पर मृतक की जेब से मिले मोबाइल फोन और सिम कार्ड के आधार पर पुलिस ने उनकी पहचान की। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया, जहां इटारसी में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

नकबजनी के दो मामले सुलझे, आरोपी गिरफ्तार शिकारपुरा पुलिस ने 1.53 लाख रुपये का माल बरामद किया

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुरः शिकारपुरा पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए नकबजनी के दो मामलों का खुलासा किया है। पुलिस ने इन मामलों में 1.53 लाख रुपये का चोरी का माल बरामद किया है और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पहला मामला 12 जुलाई 2026 का है। सुंदर नगर निवासी शिक्षिका ममता पाटिल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि सुबह 9:30 बजे वह घर में ताला लगाकर मंदिर गई थीं। वापस आने पर उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था और अलमारी से चांदी की चार पायल, दो सोने की अंगूठी, सोने के टॉप्स और दो सोने की बाली सहित कुल 1.50 लाख रुपये के जेवर चोरी हो गए थे। इस संबंध में थाना शिकारपुरा में धारा 305ए, 331-3 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। दूसरा मामला 18 जून 2026 को सामने आया। एसएस ट्रेडर्स बुरहानपुर रोड के संचालक सुरेश रोचलानी ने रिपोर्ट दी कि 17-18 जून की दरम्यानी रात उनकी दुकान की पीछे की दीवार तोड़कर गल्ले से 15 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए थे। इन प्रकरणों की जांच और आरोपियों की पहचान के लिए थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप चौरसिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की मदद से सलीम शाही मस्जिद के पास, शिकारपुरा निवासी 20 वर्षीय बाजिद हुसैन उर्फ भज्जू उर्फ टर्बो पिता शाबिर हुसैन को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान, आरोपी बाजिद हुसैन ने दोनों चोरियों को अंजाम देना स्वीकार किया। उसने बताया कि सुंदर नगर में शिक्षिका के घर हुई चोरी उसने भोईबाड़ा, शिकारपुरा निवासी 25 वर्षीय रमेश उर्फ राम्या पिता काशीनाथ हरणे के साथ मिलकर की थी। किराना दुकान में हुई चोरी में रमेश और एक विधि विरुद्ध बालक भी उसके साथ शामिल थे। पुलिस ने आरोपियों से एक सोने का पेंडल, चार चांदी की पायल, एक सोने की अंगूठी, दो सोने के टॉप्स, दो सोने की बाली, चांदी का बिछिया (कुल कीमत 1.50 लाख रुपये) और 3500 रुपये नकद जब्त किए। दोनों वयस्क आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जबकि विधि विरुद्ध बालक को बाल न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस कार्रवाई में सीएसपी गौरव पाटिल, निरीक्षक संदीप चौरसिया, सहायक उपनिरीक्षक देवेंद्र पाटिल, संजीव पगारे, प्रधान आरक्षक विजय बड़कारे और शादाब खान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्मार्ट मीटर से बिल कम करना अपने हाथ में है

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की पहल पर पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों में घरेलू स्मार्ट मीटर लगाने का काम तीव्र गतिसे चल रहा है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं से बातचीत में अनेक सकारात्मक पहलू सामने आए है। अधिकतर उपभोक्ताओं ने फायदा होने की बात कही है। स्मार्ट मीटर से किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है, बल्कि अब तो एप के माध्मय से हम अपने घर के बिजली उपयोग को भी नियंत्रित करना सीख गए हैं, क्योंकि उपकरणों पर नियंत्रण करने से बिल में काफी कमी आई है। स्मार्ट मीटर से कहीं कोई गलत बिल नहीं आया रीडिंग लेने में कोई गड़बड़ी नहीं है, बल्कि अब तो अपने आप दूरसंचार प्रणाली से रीडिंग हो रही है और निर्धारित तिथि को सही रीडिंग का बिल मोबाइल पर दिया जा रहा है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं जिसमें सार्वजनिक जल कार्य, स्ट्रीट लाइट और एलटी औद्योगिक उपभोक्ता शामिल हैं, के लिए ऑफ पीक, सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड, अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को मिल रही है। घरेलू स्मार्ट मीटर के फायदे ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। एप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं। ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, ताकि ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं। ऊर्जा की खपत को कम करने से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव कम होता है।

लगातार दूसरी बार फाइनल में अर्जेंटीना

● सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया

नई दिल्ली एजेंसी। अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। अटलांटा स्टेडियम में खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 2-1 से हराया। सेमीफाइनल में हार के बाद अब इंग्लैंड तीसरे स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में फ्रांस से भिड़ेगा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के खिताबी मुकाबले में अब अर्जेंटीना का सामना स्पेन से होगा। स्पेन ने पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों की तरफ से आक्रामक खेल देखने को मिला। अर्जेंटीना के मुकाबले इंग्लैंड ने ज्यादा हमले किए और गोल करने के कई मौके बनाए, लेकिन टीम को सफलता हाथ नहीं लग सकी। दोनों टीमों का डिफेंस पहले हाफ में बेहद मजबूत रहा और शुरुआती 45 मिनट में कोई गोल नहीं हो सका। हालांकि, दूसरे हाफ की शुरुआत इंग्लैंड ने दमदार अंदाज में की। मैच के 55वें मिनट में मोर्गन रोजर्स के पास पर एंथनी गॉर्डन ने बेहतरीन शॉट लगाते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाते हुए इंग्लैंड को मुकाबले में 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भी इंग्लैंड की तरफ से लगातार अटैक जारी रहे। मगर अर्जेंटीना ने मैच के अंतिम पलों में जबरदस्त वापसी की। 85वें मिनट में एंजो फर्नांडेज ने लियोनेल मेसी से मिले पास को गोल में तब्दील करते हुए अर्जेंटीना के खेमे को राहत की सांस दिलाई। 1-1 से बराबर हो चुके स्कोर के बाद मुकाबला अतिरिक्त समय में जाता हुआ दिख रहा था।

हालांकि, इंजरी टाइम में अर्जेंटीना ने मुकाबले को पूरी तरह से पलट दिया। मेसी द्वारा दिए गए पास को लाउतारो मार्टिनेज ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया और अर्जेंटीना के लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचने पर मुहर लगा दी। अंतिम 7 मिनटों में किए गए दो गोल की बदौलत अर्जेंटीना सेमीफाइनल मुकाबले को 2-1 से अपने नाम करने में सफल रहा।

अर्जेंटीना के विश्व कप फाइनल में पहुंचने पर कोच स्कालोनी बोले-

'यह टीम मुझे हमेशा हैरान करती है'

अटलांटा एजेंसी। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंचने के बाद अपनी टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना की टीम में कुछ खास है और खिलाड़ियों का प्रदर्शन उन्हें हर बार हैरान कर देता है। स्कालोनी ने कहा कि टीम की प्रशंसा करना घमंड नहीं, बल्कि खिलाड़ियों की मेहनत और जज्बे पर भरोसा है। सेमीफाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। इंग्लैंड ने एंथनी गॉर्डन द्वारा मैच के 55वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत सेमीफाइनल मुकाबले में 1-0 की बढ़त बना ली थी। एक समय पर ऐसा लग रहा था कि इंग्लैंड लंबे समय बाद फाइनल में पहुंचने में सफल रहेगा। हालांकि, अर्जेंटीना ने बेहतरीन वापसी करते हुए अंत के सात मिनट में दो गोल दागे और लगातार दूसरी बार फाइनल का टिकट हासिल किया। एंजो फर्नांडीज और लाउतारो मार्टिनेज ने अर्जेंटीना के लिए गोल किया। दोनों गोलों में कप्तान लियोनेल मेसी ने अहम भूमिका निभाई। यह अर्जेंटीना की एक और यादगार वापसी रही। इससे पहले, टीम ने राउंड ऑफ 16 में मिस्र के खिलाफ भी पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल की थी।

मैच के बाद स्कालोनी ने कहा कि उनके पास अपनी टीम के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'यह हमारे देश और लोगों के लिए बहुत बड़ी खुशी है। यह टीम मुझे हमेशा हैरान करती है। इन खिलाड़ियों की क्षमता को समझाना आसान नहीं है।

'हमें कुछ भी मुफ्त में नहीं मिला',

फाइनल में पहुंचने के बाद मेसी ने दिया आलोचकों को करारा जवाब

नई दिल्ली एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में पहुंचने के बाद अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने आलोचकों को आड़े हाथों लिया है। मेसी ने उन आलोचकों को जवाब दिया है, जो पूरे टूर्नामेंट के दौरान यह आरोप लगाते रहे हैं कि फीफा में अर्जेंटीना को फायदा पहुंचाया जा रहा है। मेसी ने कहा कि लगातार दूसरी बार विश्व कप फाइनल में पहुंचना इस बात का सबूत है कि अर्जेंटीना की टीम दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों में शामिल है। उन्होंने कहा कि टीम की सफलता किसी संयोग या किस्मत का नतीजा नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है।फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। मैच में इंग्लैंड ने एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट में किए गए गोल से मुकाबले में बढ़त बना ली थी, लेकिन अर्जेंटीना ने शानदार वापसी की। कप्तान मेसी ने दो अहम असिस्ट किए, जिनकी मदद से एंजो फर्नांडीज और लाउतारो मार्टिनेज ने गोल कर टीम को यादगार जीत दिलाई। टूर्नामेंट के दौरान अर्जेंटीना को लेकर कुछ विवाद भी हुए थे। कुछ फैसलों को लेकर सवाल उठे और आलोचकों ने दावा किया कि टीम को फायदा मिल रहा है। हालांकि, मेसी ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया है। मेसी ने कहा, 'लोग चाहे कुछ भी कहें, पिछले 4 सालों में हम लगातार दुनिया की बेहतरीन टीमों में से एक रहे हैं। लगातार दो वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचना आसान उपलब्धि नहीं है। यह दिखाता है कि हमने जो हासिल किया है, वह मेहनत और संघर्ष से मिला है। हमें कुछ भी मुफ्त में नहीं मिला। ' उन्होंने कहा कि अगर इंग्लैंड के खिलाफ टीम हार जाती, तो आलोचक कई तरह की बातें करते, लेकिन खिलाड़ियों ने ऐसा कोई मौका नहीं दिया। मेसी ने माना कि इंग्लैंड एक मजबूत टीम थी और इतने बड़े मुकाबले में दबाव बहुत ज्यादा होता है। ऐसे मैचों में छोटी-छोटी बातें भी इतिहास बना देती हैं।लियोनेल मेसी ने इस जीत को अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि 40 साल पहले इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप मुकाबले में माराडोना ने अहम भूमिका निभाई थी और यह दिन उनके लिए भी खास होता। मेसी ने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि डिएगो ऊपर से इस पल का आनंद ले रहे होंगे। उन्हें यह खुशी देना हमारे लिए भी खास है। वह इस सफलता को जिस तरह महसूस करना चाहें, उन्हें इसका पूरा हक है।' फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में अब अर्जेंटीना की भिड़ंत स्पेन से होगी।

हाईवोल्टेज' सेमीफाइनल मैच में मजबूत इंग्लैंड से गत विजेता अर्जेंटीना का सामना

अटलांटा एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल बुधवार देर रात 12.30 बजे से (भारतीय समय के अनुसार) अटलांटा स्टेडियम (जॉर्जिया) में खेला जाएगा। इस मुकाबले में साल 1966 की चैंपियन इंग्लैंड की भिड़ंत गत विजेता अर्जेंटीना से होगी। इस 'हाईवोल्टेज मैच' में दोनों टीमों के लिए फाइनल का अंतिम टिकट दांव पर होगा। इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच मुकाबले लंबे समय से राजनीतिक तनाव और यादगार खेल मुकाबलों से जुड़ी ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता से तय होते रहे हैं, जिससे हर मुकाबले पर दुनिया भर की नजरें टिकी रहती हैं। वर्ल्ड कप में उनकी पिछली भिड़ंत बरसों पहले हुई थी, जिससे यह नया अध्याय टूर्नामेंट के बहुप्रतीक्षित मुकाबलों में से एक बन गया है। अर्जेंटीना भले ही डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर सेमीफाइनल में उतर रहा है, लेकिन खिताब बचाने का उनका सफर आसान नहीं रहा। लियोनेल स्कालोनी की टीम ग्रुप स्टेज से तो आसानी से आगे बढ़ गई, लेकिन नॉकआउट के सफर में उनकी हिम्मत और जज्बे की बार-बार परीक्षा हुई। काबो वर्डे और स्विट्जरलैंड को हराने के लिए इस टीम को एक्स्ट्रा टाइम की जरूरत पड़ी। 'राउंड ऑफ 16' में मिस्र के खिलाफ 'मेसी एंड कंपनी' ने 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की थी। दूसरी तरफ, थॉमस ट्यूशेल के नेतृत्व में इंग्लैंड का सफर तुलनात्मक रूप से ज्यादा स्थिर रहा है। दबाव में 'थ्री लायंस' ने डिफेंस में अनुशासन और संयम दिखाया है। हालांकि, उनके प्रदर्शन में कभी-कभी उम्मीदों के मुताबिक कमी देखी गई है। ऐसा लगा है कि सेमीफाइनल में पहुंचने के बावजूद टीम ने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है।

इंग्लैंड की टीमः

- गोलकीपरः जॉर्डन पिकफोर्ड, डीन हेंडरसन, जेम्स ट्रैफर्ड।
- डिफेंडरः एजरी कोंसा, निको ओ'रेली, जॉन स्टोन्स, मार्क गुएही, टीनो लिवरामेंटो, डैन बर्न, रीस जेम्स, जेड स्पेंस, जेरेल क्वांसाह।
- मिडफील्डरः डेक्लान राइस, इलियट एंडरसन, जूड बेलिंगहैम, जॉर्डन हेंडरसन, कोबी मैनू, मॉर्गन रोजर्स, एबेरेची एजे।
- फॉरवर्डः बुकायो साका, हैरी केन, मार्कस रैशफोर्ड, एंथोनी गॉर्डन, ओली वॉटकिंस, नोनी मडुके, इवान टोनी।

अर्जेंटीना की टीमः

- गोलकीपरः एमिलियानो मार्टिनेज, गेरोनिमो रूली, जुआन मुसो।
- डिफेंडरः नाहुएल मोलिना, गोंजालो मोंटिएल, क्रिस्टियन रोमेरो, लियोनार्डो बालेरडी, निकोलस ओटामेंडी, लिसेंड्रो मार्टिनेज, निकोलस टैग्लियाफिको, फैसुंडो मदीना।
- मिडफील्डरः लिएंड्रो पेरेडेस, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, रोड्रिगो डी पॉल, जियोवानी लो सेल्सो, एक्सक्विएल पलासियोस, एंजो फर्नांडीज, वैलेन्टिन बारको।
- फॉरवर्डः लियोनेल मेसी, जूलियन अल्वारेज, लाउ तारो मार्टिनेज, थियागो अल्माडा, निकोलस पाज, निकोलस गोंजालेज, गिउलिआनो शिमोन, जोस मैनुअल लोपेज।

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बनेंगे कोहली

4 रन बनाते ही टूटेगा द्रविड़ का रिकॉर्ड

नई दिल्ली एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में सीरीज का दूसरा वनडे मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला दिलचस्प होगा, क्योंकि हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली टीम एजबेस्टन में खेले गए पहले वनडे में मिली हार के बाद सीरीज बराबर करने के लिए पूरी ताकत के साथ वापसी करेगी। वहीं टी20 सीरीज में 4-0 से हारने के बाद भारत वनडे सीरीज में अजय बढ़त बनाने उतरेगा। इस बीच भारत के पूर्व कप्तान और धमाकेदार बल्लेबाज विराट कोहली पर नजर रहेगी जो सिर्फ 4 रन बनाकर राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ना चाहेंगे और इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। पहले मैच में कोहली का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था और 259 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र छह गेंदों पर सिर्फ पाँच रन बनाकर जोफ्रा आर्चर की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। अगर भारत के पूर्व कप्तान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में चार रन बना लेते हैं ।

फिलहाल, कोहली के नाम इंग्लैंड में खेल के सभी फॉर्मेट में कुल 2,642 रन हैं, 18 अर्धशतक और तीन शतक की मदद से उनका औसत 40.03 रहा।

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी (सभी फॉर्मेट में) :

राहुल द्रविड़ - 2645 रन
विराट कोहली - 2642 रन
सचिन तेंदुलकर - 2626 रन
रोहित शर्मा - 2298 रन
सौरव गांगुली - 1949 रन
महेंद्र सिंह धोनी - 1869 रन
रवींद्र जडेजा - 1644 रन
केएल राहुल - 1643 रन
सुनील गावस्कर - 1583 रन
शिखर धवन - 1478 रन ।

ENG vs IND के बीच 12 साल पहले कार्डिफ में खेला गया था वनडे मैच

बड़े अंतर से जीता था भारत , देखें रोहित-कोहली की इनिंग

नई दिल्ली एजेंसी। इंग्लैंड और भारत के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच कार्डिफ में खेला जाएगा। भारत ने इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में 12 साल पहले 2014 में वनडे मैच खेला था और भारत ने 133 रन के बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। खास बात यह है कि उस समय की प्लेइंग ङ्गढ्ढ से लेकर अब की टीम में सिर्फ रोहित शर्मा और विराट कोहली ही हैं जिन्हें टीम में जगह मिली है जबकि अन्य खिलाड़ी रिटायर हो चुके हैं। एक दिलचस्प बात यह भी है कि तब भी सीरीज का दूसरा मैच ही कार्डिफ में खेला गया था। ऐसे में 12 साल पहले हुए मैच से जुड़े कुछ रोचक तथ्यों पर नजर डाल लेते हैं-

रोहित शर्मा ने खेली थी अर्धशतकीय पारी

2014 में सोफिया गार्डन्स में खेले गए मैच में भारतीय ओपनर ने 52 रन की शानदार पारी खेली थी। ओपनिंग करते हुए रोहित ने 59.77 के स्ट्राइक रेट से यह रन बनाए थे। इसके लिए उन्होंने 87 गेंदों खेली थी और जिसमें 4 चौके और एक छक्का भी था। भारतीय ओपनर ने 29.2 ओवर में हवा में शॉट खेलने की कोशिश की और गेंद लॉन्ग-ऑफ पर चली गई लेकिन गेंद बल्ले के बाहरी किनारे से लगकर लॉन्ग-ऑफ बाउंड्री के पास खड़े फील्डर वोक्स के लिए आसान कैच बन गई।

विराट कोहली नहीं खोल पाए थे खाता

उक्त मैच में कोहली ने मात्र 3 गेंदें खेली थी और एक भी रन नहीं बना पाए थे। वह 7.4 ओवर खत्म में आक्रामक रुख अपनाते हैं और वोक्स की गेंद पर पिच से आगे बढ़कर जोरदार ड्राइव लगाते हैं, लेकिन गेंद सीधे मिड-ऑफ पर खड़े कुक के हाथों में चली जाती है। हालांकि तब और अब के कोहली में जमीन आसमान का फर्क है और मौजूदा टीम उन्हें हल्के में लेने की कोशिश नहीं करेगी और दूसरी तरफ कोहली भी ऐसी कोई गलती नहीं करने वाले।

भारत ने बड़े अंतर से जीता था मैच

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सुरेश रैना के शतक (75 गेंदों पर 100 रन, 12 चौके और 3 छक्के) के अलावा रोहित (52) तथा महेंद्र सिंह धोनी (51 गेंदों पर 52 रन, 6 चौके) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 304/6 का मजूबत स्कोर बनाया था। इसके जवाब में भारतीय गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए रविंद्र जडेजा के 4/28 की शानदार बॉलिंग की वजह से 38.1 ओवर में इंग्लैंड को 161 रन पर ढेर कर दिया ।

'ग्रुप-ई' में भारत, जानिए किन देशों से होगा सामना

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय महिला टीम को एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप चाइना 2027 क्वालीफायर के 'ग्रुप-ई' में रखा गया है। 'ब्लू टाइग्रेस' के साथ मलेशिया, सीरिया और इराक की टीमें भी हैं। इस प्रतियोगिता के लिए ड्रॉ गुरुवार को कुआलालंपुर में स्थित एएफसी हाउस में हुआ। भारतीय महिला अंडर-17 टीम ने सूजौ, चीन में 2026 एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप में अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचा, लेकिन मेजबान चीन के खिलाफ 0-3 से हारकर खिताबी दौड़ से बाहर होना पड़ा। 'ब्लू टाइग्रेस' (भारतीय महिला टीम) का लक्ष्य पहली बार लगातार एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना होगा। मलेशिया इस साल 5 से 11 अक्टूबर तक क्वालीफायर के 'ग्रुप-ई' की मेजबानी करेगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत इराक के खिलाफ करेगा, इसके बाद सीरिया और फिर मलेशिया के साथ मुकाबले खेले जाएंगे

इस प्रतियोगिता के ग्रुप विजेता एएफसी अंडर-17 विमेंस एशियन कप चीन 2027 के लिए क्वालीफाई करेंगे, जिसका आयोजन 31 मार्च से 17 अप्रैल 2027 तक सूजौ में होगा।

ड्रॉ के लिए, टूर्नामेंट के पिछले तीन संस्करणों में टीमों की अंतिम रैंकिंग के आधार पर बने प्वाइंट्स सिस्टम का इस्तेमाल करके 30 टीमों को चार पॉट और एक अतिरिक्त मेजबान पॉट में बांटा गया था। भारत को पॉट 1 में रखा गया था और फाइनल ड्रॉ को आठ ग्रुप में बांटा गया। छह ग्रुप में चार-चार टीमें और दो ग्रुप में तीन-तीन टीमें थीं। ये टीमें 5 से 11 अक्टूबर 2026 तक सिंगल राउंड-रॉबिन सेंट्रलाइज्ड लीग फॉर्मेट में क्वालीफायर में मुकाबला करेंगी।

आठ ग्रुप विजेता फाइनल के 11वें संस्करण में आगे बढ़ेंगे, जो लगातार दूसरे साल चीन में आयोजित किया जाएगा। वहां उनके साथ 2026 अभियान की टॉप-4 टीमें शामिल होंगी जिन्होंने सीधे क्वालीफाई किया हैः मौजूदा चैंपियन डीपीआर कोरिया, रनर-अप जापान, और सेमी-फाइनलिस्ट ऑस्ट्रेलिया और चीन।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप चीन 2027 के सेमीफाइनलिस्ट, फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप मोरक्को 2027 के लिए क्वालीफाई करेंगे।

mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-196 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
17 जुलाई 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

पुरी रथयात्रा में बारिश भी नहीं रोक सकी आस्था, लाखों श्रद्धालुओं ने किए भगवान जगन्नाथ के दर्शन

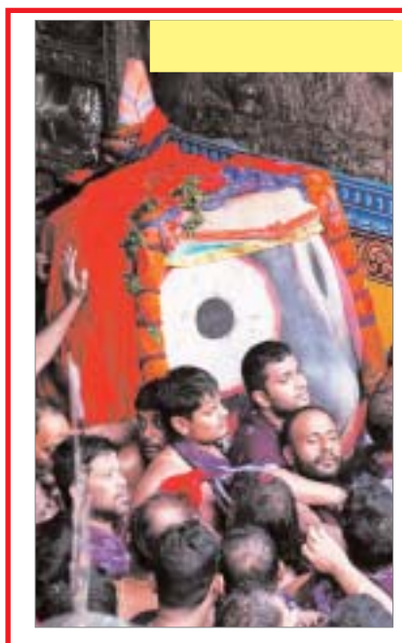

रथयात्रा में भगदड़, 1 की मौत, तेज बारिश के बीच यात्रा रूट पर 10 लाख से ज्यादा लोग रहे मौजूद

पुरी,एजेंसी। ओडिशा के पुरी में रथयात्रा शुरू हो गई है। शाम 5.05 बजे सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज आगे बढ़ा। इसके बाद सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथ खींचे गए । पुरी में इस समय तेज बारिश हो रही है। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद रहे। यात्रा मुख्य मंदिर से 3किमी. दूर बने गुंडीचा मंदिर तक जाती है। इससे पहले पहांडी रस्म हुई। तेज बारिश के कारण भगवान जगन्नाथ को बिना मुकुट पहनाए ही मंदिर से बाहर लाया गया। इस बार उन्हें झुलाते हुए नहीं लाए, बल्कि धीरे-धीरे लाया गया। पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव सोने की झाड़ू से तीनों रथों के

आगे झाड़ू लगाई। इसके बाद रथयात्रा की औपचारिक शुरुआत हुई।

इधर, अहमदाबाद में भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जा गई है। इस बार हाथियों को पैर में जंजीरों से बांधकर लाया गया और खड़िया पोल पर आते ही लोगों को सड़क से हटा दिया गया। पिछले साल रथ यात्रा के दौरान 3 हाथी बेकाबू हो गए थे। जमालपुर जगन्नाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई। इसमें गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। सीएम भूपेंद्र पटेल और डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने सोने की झाड़ू से रास्ता साफ करके यात्रा को रवाना किया।

सबसे पहले बलभद्र, सबसे आखिर में जगन्नाथ का रथ

रथयात्रा में तीनों रथ एक क्रम से निकलते हैं। सबसे पहले भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई बलभद्र का तालध्वज रथ चलता है। इसके बाद बहन सुभद्रा का दर्पदलन रथ निकलता है। सबसे आखिर में भगवान जगन्नाथ अपने नंदीघोष रथ पर सवार होकर यात्रा शुरू करते

रथयात्रा के बीच 19 जुलाई को खुलेगा रत्न भंडार

रथयात्रा के बीच जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 19 जुलाई को एक दिन के लिए खोला जाएगा। उस समय भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा रथयात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर में होंगे।इस दौरान स्नान यात्रा के समय भगवान की मूर्तियों से उतारे गए सोने और अन्य कीमती आभूषणों की गिनती और डिजिटल डॉक्युमेंटेशन किया जाएगा। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (SJTA) के अनुसार, यह विशेष इन्वेंट्री आधुनिक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया का हिस्सा है।

बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने छेरा पहरा रस्म निभाई :

बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने छेरा पहंरा रस्म निभाई, 55वीं इस्कॉन रथ यात्रा की शुरुआत के लिए रथ की रस्सी खींची। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कोलकाता में रथयात्रा की शुरुआत की। उन्होंने पवित्र छेरा पहरा रस्म निभाई और भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्म वाली रस्सी खींची।

: ब्रीफ बॉक्स :

अमृतसर में बॉयफ्रेंड को जिंदा जलाया

ब्रेकअप करने पर मिलने आया था

अमृतसर,एजेंसी। अमृतसर में गर्लफ्रेंड ने चचेरे भाई से मिलकर बॉयफ्रेंड को जिंदा जला दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। आग लगी तो गुस्साए बॉयफ्रेंड ने दोनों को भी अपनी तरफ खींच लिया। जिससे गर्लफ्रेंड और उसका भाई भी झुलस गया।दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों को पुलिस ने कस्टडी में लेते हुए बाहर मुलाजिम तैनात कर दिए हैं। पुलिस को पता चला कि युवती के ब्रेकअप करने के बाद युवक उसे मनाने के लिए वहां आया था। मजीठा थाने के SHO करमपाल सिंह ने पुष्टि की कि अस्पताल में भर्ती युवक और युवती ने अपना जुर्म कबूल किया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है और हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। जल्द ही पुलिस इसके बारे में खुलासा करेगी।पुलिस के मुताबिक गांव बल खुर्द का संदीप सिंह शादीशुदा था। इसी दौरान उसके मजीठा में रहने वाली युवती के साथ प्रेम संबंध बन गए। अफेयर के बाद युवती को पता चला कि वह शादीशुदा है।

राजस्थान में पहली बार जेल में 2 हत्यारों की शादी

22 जुलाई को फेरे, युवक ने पड़ोसी और युवती ने पति का मर्डर किया था

जोधपुर,एजेंसी। जोधपुर के मंडोर ओपन जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे युवक-युवती 22 जुलाई को फेरे लेंगे। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने इसकी अनुमति दे दी है। राजस्थान के न्यायिक इतिहास में यह पहला मौका होगा जब किसी ओपन जेल (खुला बंदी शिविर) परिसर के भीतर दो दोषियों की शादी होगी।युवक नागौर का, जबकि युवती मुंबई की रहने वाली है। जेल में ही दोनों के बीच नदीकियां बढ़ीं और शादी का फैसला किया। यह ऐतिहासिक आदेश न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी एवं न्यायमूर्ति प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने जारी किया।

सहेली के पिता कन्यादान करेंगे

मंडोर ओपन जेल में रहकर सजा काट रहे मूलाराम भाटी (33) और सीमा (31) आगामी 22 जुलाई को शादी करेंगे। सीमा की सहेली के पिता कन्यादान करेंगे। शादी के निमंत्रण पत्र (कार्ड) में पिता के स्थान पर उनका ही नाम लिखा गया है।

वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट बोला: हर जान कीमती

केंद्र-दिल्ली सरकार को निर्देश- रोजाना मेडिकल जांच हो; वांगचुक 19 दिन से भूख हड़ताल पर

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि हर नागरिक की जान कीमती है। उसकी रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है।कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को उनकी रोजाना मेडिकल जांच कराने और जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 19वां दिन है। याचिका में जबरन खाना देने के निर्देश देने की मांग भी की गई थी।

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकारी डॉक्टर वांगचुक के स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर उचित इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 19 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उनका वजन 8.9कि.ग्रा. तक गिर गया है।

कर्नाटक में डॉक्टर की घर में हत्या, बेटा घायल मिला

पत्नी भी डॉक्टर; परिवार से कहा था- पति सो रहे, फिर बताया- बाहर गए हैं

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक के धारवाड़ में बुधवार को 45 साल के डॉक्टर (एनेस्थीसिया विशेषज्ञ) किरण होन्नन्नावर की उनके फ्लैट में हत्या कर दी गई। उनका 8 साल का बेटा चाकू के घावों के साथ घायल मिला। बच्चे का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने डॉक्टर की पत्नी प्रियंका को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। प्रियंका आंखों की डॉक्टर हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना एक हाई-सिक्योरिटी अपार्टमेंट में हुई, जिसमें डॉक्टर किरण अपनी पत्नी और बेटे के साथ रहते थे।शुरुआती जांच में किसी बाहरी व्यक्ति के फ्लैट में घुसने के सबूत नहीं मिले हैं। घटना के समय घर में सिर्फ पति, पत्नी और उनका बेटा मौजूद थे। मामले का खुलासा तब हुआ, जब डॉ. किरण के परिजन पूरे दिन उनसे संपर्क करने की कोशिश करते रहे। फिर भी बात नहीं हो पाई।

परिजन फोन करते रहे, पत्नी देती रहीं अलग-अलग जवाब

पुलिस के मुताबिक, पत्नी प्रियंका ने ससुरालवालों से पहले कहा कि पति आराम कर रहे हैं, बाद में बताया कि वह बाहर गए हैं।

यूपी-बिहार के 18 जिलों में भारी बारिश

असम में 99 गांव डूबे, अरुणाचल में 1 लाख लोग बाढ़ में फंसे; म.प्र. के 35 जिलों में सूखा

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर, एजेंसी। यूपी के 10 और बिहार के 8 जिलों में भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने हरदोई, लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर और उन्नाव समेत यूपी के 36 जिलों में बारिश का अलर्ट भी जारी किया है।अरुणाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटों में बाढ़, लैंडस्लाइड और बारिश से 1.02 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। अब तक 7 लोगों की मौत हुई है

और 29 घायल हुए हैं। वहीं, असम के 6 जिलों के 99 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 37,032 लोग प्रभावित हैं।

नेपाल में बारिश से भारत में बाढ़ का खतरा

नेपाल के सूनसरी के पुलिस उप अधीक्षक चंद्र बहादुर खड़का के मुताबिक, बुधवार रात कोशी बैराज पर पानी का बहाव 1,63,230 क्यूसेक पहुंच गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आगर पूर्वी नेपाल में बारिश जारी रही, तो पानी का बहाव और अधिक बढ़ सकता है।

बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बैराज के 56 गेटों में से 21 गेट खोल दिए गए हैं। कोशी बैराज नेपाल और भारत के पड़ोसी क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण बाढ़-नियंत्रण संरचना है।

कोशी बैराज कंट्रोल रूम ने बताया कि जब नदी का बहाव 1,50,000 क्यूसेक से अधिक हो जाता है, तो सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए जाते हैं।

अमेरिका ने ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक की

जवाब में तेहरान का बहरीन-कुवैत में मिसाइल हमला, जॉर्डन ने 8 मिसाइलें गिराईं

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिका ने गुरुवार तड़के ईरान में सैन्य ठिकानों पर एक बार फिर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, हमलों में मिसाइल लॉन्च साइट, रक्षा ठिकाने और सिस्तान-बलूचिस्तान में 388वीं ब्रिगेड की बैरक को निशाना बनाया गया।जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। बहरीन और कुवैत में मिसाइल अलर्ट जारी किया

गया। दूसरी तरफ जॉर्डन ने 8 ईरानी मिसाइलें मार गिराने की जानकारी दी।इस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका पीछे नहीं हटता, तो ईरान बड़े सैन्य टकराव के लिए तैयार है। वहीं, रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो मिडिल-ईस्ट से तेल और गैस का निर्यात भी रोका जा सकता है।

सीबीआई का दावा: लातूर कोचिंग संचालक ने नीट का पेपर खरीदा

उसके मोबाइल में हाथ से लिखे केमिस्ट्री के 132 प्रश्न मिले, 111 असली पेपर से मैच

लातूर,एजेंसी। सीबीआई ने नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में बुधवार को स्पेशल कोर्ट में बड़ा दावा किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, महाराष्ट्र के लातूर की कोचिंग सेंटर संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर ने NTA के पेपर सेटर से केमिस्ट्री के प्रश्न हासिल करने के लिए 5 लाख दिए थे।

आरोपी मोटेगांवकर के मोबाइल से मिले हस्तलिखित नोट्स में 132 प्रश्न मिले, जिनमें से 111 प्रश्न NTA के मास्टर प्रश्नपत्र से मेल खाते हैं। मोटेगांवकर का बेटा कुलकर्णी की कोचिंग क्लास भी जाता था।

NEET-UG परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। ह्ञ्ज के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और री-एग्जाम का फैसला लिया गया।

सीबीआई ने मोटेगांवकर का फोन बरामद किया

सीबीआई ने मोटेगांवकर का फोन बरामद किया है, जिसमें रसायन केमिस्ट्री के 132 हाथ से लिखे प्रश्नों वाली 36 तस्वीरें (पांच डुप्लिकेट तस्वीरें) मिली हैं।सीबीआई ने अपने जवाब में कहा कि इनमें से 111 प्रश्न नीट (यूजी) 2026 के लिए तैयार किए गए एनटीए के मास्टर प्रश्न सेट से मेल खाते हैं। एजेंसी ने कहा कि मोटेगांवकर ने कुलकर्णी की केमिस्ट्री ट्यूटोरियल क्लासेस में दिए गए पेपर से हैंड रिटन नोट्स तैयार किए थे।

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

दावा- हैकर्स ने कंट्रोल रूम का लेआउट, सप्लायर्स की लिस्ट डार्क वेब पर डाली

चेन्नई,एजेंसी। भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है।

इनमें पावर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की लिस्ट, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए। सर्वर मई में हैक हुआ था, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब

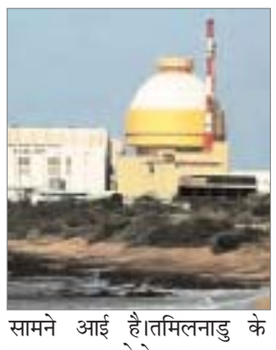

सामने आई है।तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा का सर्वर हैक किया गया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई है।

डेटा लीक कितना खतरनाक

परमाणु सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि डार्क वेब पर मौजूद ये दस्तावेज अगर असली हैं, तो इनके जरिए कोई हमलावर न्यूक्लियर पावर प्लांट के सपोर्ट सिस्टम, सप्लाई चेन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझ सकता है, जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ सकता है।

तेलंगाना हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

पहली प्रेग्नेंसी में जुड़वां बच्चे होने पर दूसरी बार भी मिलेगी मैटरनिटी लीव

हैदराबाद,एजेंसी। तेलंगाना हाई कोर्ट ने महिलाओं को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि किसी महिला सरकारी कर्मचारी को उसकी दूसरी प्रेग्नेंसी के लिए मातृत्व अवकाश देने से सिर्फ इसलिए इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि उसकी पहली प्रेग्नेंसी में जुड़वां बच्चे पैदा हुए थे।

दरअसल, यह मामला मंचेरियल जिले के सरकारी गर्ल्स कॉलेज से जुड़ा हुआ है। जहां कॉलेज में जूनियर इंग्लिश लेक्चरर जाडी स्वरूप रानी की लीव एप्लीकेशन को प्रशासन ने इस दलील के साथ खारिज कर दिया था कि उनके पहले से दो बच्चे हैं।

क्यों नहीं दिया गया मैटरनिटी लीव?

याचिकाकर्ता को 2023 में जुड़वां बच्चे हुए थे। जब उसने अप्रैल 2026 में अपने तीसरे बच्चे को जन्म दिया, तो कॉलेज प्रशासन ने उसकी मैटरनिटी लीव की अर्जी खारिज कर दी। प्रशासन का तर्क था कि चूंकि उसकी पहली प्रेग्नेंसी में जुड़वां बच्चे हुए थे, इसलिए उसके दो बच्चे हैं और इस वजह से वह राज्य के दो-बच्चों के नियम के तहत मैटरनिटी लीव के लिए अयोग्य हो गई थी।इस फैसले को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता के वकील गट्टू विनय कुमार ने कोर्ट तर्क दिया कि जुड़वां बच्चों का जन्म पूरी तरह से एक बायोलॉजिकल घटना थी और इस पर उनका कोई कंट्रोल नहीं था। ऐसे में बाद की प्रेग्नेंसी के लिए मैटरनिटी बेनिफिट्स से मना करना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

स्कूल प्रबंधन ने क्या दिया तर्क?

स्कूल का प्रबंधन करने वाली सोसाइटी ने 2010 और 2014 के सर्विस नियमों का हवाला देते हुए याचिका का विरोध किया। उनका तर्क था कि मैटरनिटी लीव सिर्फ उन शादीशुदा महिला कर्मचारियों के लिए थी जिनके दो से कम जीवित बच्चे हों।स्टैंडिंग काउंसिल भनोथु हुसैन ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता के पहली डिलीवरी से पहले से ही दो जीवित बच्चे थे, इसलिए वह दूसरी डिलीवरी के लिए मैटरनिटी लीव की हकदार नहीं थी। उन्होंने नकहा कि यदि पात्रता से अधिक लाभ दिए जाते हैं तो इससे सरकार पर बेवजह बोझ बढ़ेगा।

कोर्ट ने क्या कहा?

सरकार के सख्त रुख को खारिज करते हुए जस्टिस के. सरथ की पीठ ने कहा कि यह कानूनी विवाद नियम के होने या न होने पर नहीं था, बल्कि इस बात पर था कि उस नियम की व्याख्या कितनी मानवीय और समझदारी भरी होनी चाहिए।कोर्ट ने कहा कि अगर हम नियमों की केवल लकीर के फकीर बनकर (शाब्दिक) व्याख्या करेंगे, तो यह मैटरनिटी लीव के मूल और असल मकसद को ही खत्म कर देगा।कोर्ट ने तर्क निकाला कि याचिकाकर्ता अपनी दूसरी गर्भावस्था के लिए 14 अप्रैल से 180 दिनों की मातृत्व अवकाश की पूरी तरह से हकदार थी, और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उसे पूरी अवकाश अवधि के लिए पूरा वेतन और भत्ते का भुगतान करें।